

۲ رُوعَاهُمَا	(۷۸) سُورَةُ التَّبَا مَكِّيَّةٌ (۸۰)	آيَاتُهَا ۲۰
اور ۲ رُوعَا ھے	سورے نہم مڪڪا مے ناٺيل ھو ۲	۲۰ آيات ھے
بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ پڻھتا ھُوَ اءءلاھ کا نام لے کر جو ٻڌا مے ٻڌرٻان، نياڻات رھم وارا ھے		
عَمَّ يَتَسَاءَلُونَ ۙ عَنِ النَّبَاِ الْعَظِيْمِ ۙ الَّذِي هُمْ فِيْهِ		
کيس ٻيڻ کي مٺاوءءلک ٻي ساوال کر رھي ھي؟ اءک ٻڌي ٻٻر کي مٺاوءءلک؟ چيس مے وي ٻڻيلواک		
مُخْتَلِفُونَ ۙ كَلَّا سَيَعْلَمُونَ ۙ ثُمَّ كَلَّا سَيَعْلَمُونَ ۙ اَلَمْ نَجْعَلِ		
کر رھي ھي؟ ٻرگيل نٻي! انکريٻ ٻٻي پتا ٻل چااگا. کير ٻرگيل نٻي! انکريٻ ٻٻي پتا ٻل چااگا.		
الْاَرْضَ مَهْدًا ۙ وَالْجِبَالَ اَوْتَادًا ۙ وَخَلَقْنٰكُمْ اَزْوَاجًا ۙ		
کيا ٻم ني ٺميٻ کي ٻش اور پٻاڻي کي مٻي نٻي ٻنايا؟ اور ٻم ني ٻٻي ٻي ٻي ٻنايا.		
وَجَعَلْنَا نَوْمَكُمْ سُبَاتًا ۙ وَجَعَلْنَا اللَّيْلَ لِبَاسًا ۙ وَجَعَلْنَا		
اور ٻم ني ٻٻاري نيء کي راءٻ کا ٻرييا ٻنايا. اور ٻم ني راء کي پرءا ٻنايا. اور ٻم ني		
النَّهَارَ مَعَاشًا ۙ وَبَنَيْنَا فَوْقَكُمْ سَبْعًا سُدًّا ۙ وَجَعَلْنَا		
ٻيٻ کي روي کماني کا وکٻ ٻنايا. اور ٻم ني ٻٻاري ٻٻر ساٻ مٻٻٻ آسماٻ ٻنااي. اور ٻم ني		
سِرًّا ۙ وَهَاجًا ۙ وَاَنْزَلْنَا مِنَ الْمُعْصِرَاتِ مَاءً ثَجَّاجًا ۙ		
ٻمکٻا ٻٻا ٻيراي ٻنايا. اور ٻم ني ٻاٻلي سي ٻي سي ٻي ٻي وارا پاني ٻٻارا.		
لِيُخْرِجَ بِهٖ حَبًّا وَنَبَاتًا ۙ وَجَدَّتْ الْاَفَّاكُ ۙ اِنَّ يَوْمَ الْفَصْلِ		
ٻاکی ٻم ٻس کي ٻريي نيکالي اناي اور ساٻا. اور ٻني باگات. ٻشک کيسلي کا ٻيٻ		
كَانَ مِيقَاتًا ۙ يَوْمَ يُنْفَخُ فِي الصُّورِ فَتَأْتُونَ اَفْوَاجًا ۙ		
مٻرررا وکٻ ھي. چيس ٻيٻ سور کٻکا چااگا، کير ٻم کي ٻر کي آايوگي.		
وَ فُتِحَتِ السَّمَاءُ فَكَانَتْ اَبْوَابًا ۙ وَسُيِّرَتِ الْجِبَالُ فَكَانَتْ		
اور آسماٻ ٻولي چااگي، کير وي ٻروالي ٻي ٻروالي ٻي چااگي. اور پٻاڻ ٻلایي چااگي، کير وي		
سَرَابًا ۙ اِنَّ جَهَنَّمَ كَانَتْ مِرْصَادًا ۙ لِلطَّاعِنِينَ مَآبًا ۙ		
ساراٻ کي ٻر ٻي چااگي. ٻکيٻٻ چٻٻٻم ٻاٻ مے ھي. سرکشو کا ٻيکانا ھي.		
لِلَّذِيْنَ فِيْهَا اَحْقَابًا ۙ لَا يَدْوَ قُونَ فِيْهَا بَرْدًا وَلَا شَرَابًا ۙ		
چيس مے وي مٻٻٻي پي رھيگي. چيس مے وي ٻٻي ٻيٻ، پيٻي کي ٻيٻ ٻيٻ ٻيٻي نٻي پايگي.		

إِلَّا حَمِيمًا وَغَسَّاقًا ۝ جَزَاءً وَفَاقًا ۝ إِنَّهُمْ كَانُوا لَا يَرْجُونَ

सिवाये गर्म पानी और पीप के. जो बराबर की सजा के तौर पर होगा. इस लिये के वो हिसाब की

حَسَابًا ۝ وَكَذَّبُوا بِآيَاتِنَا كِذَابًا ۝ وَكُلَّ شَيْءٍ أَحْصَيْنَاهُ

उम्मीद नहीं रखते थे. और हमारी आयतों को जूठलाते थे. और हर चीज को हम ने लिख कर (किताब में)

كُتِبَ ۝ فَذُوقُوا فَلَنْ نَزِيدَكُمْ إِلَّا عَذَابًا ۝ إِنَّ لِلْمُتَّقِينَ

महकूल कर रखा है. फिर तुम यमों, फिर हम तुम्हारे लिये उरगित्त जयादा नहीं करेंगे मगर अज्राब ही को. यकीनन

مَفَازًا ۝ حَدَائِقَ وَأَعْنَابًا ۝ وَكَوَاعِبَ أَتْرَابًا ۝ وَكَأْسًا

भुनकियों के लिये काम्याबी है. भागात और अंगूर. और नौजवान हमउम्र औरते हैं. और लबालब हमरे

دِهَاقًا ۝ لَا يَسْمَعُونَ فِيهَا لَغْوًا وَلَا كِذَابًا ۝ جَزَاءً مِّن رَّبِّكَ عَطَاءً

शाम हैं. उस में वो न कोई बेडूदा बात और न जूठ सुनेगे. तेरे रब की तरफ से बहलेके तौर पर, उदियेके तौर पर

حَسَابًا ۝ رَبِّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا الرَّحْمَنُ لَا يَمْلِكُونَ

भी, हिसाब के तौर पर भी. जो आस्मानों और अभीन और उन चीजों का रब है जो उन के दरमियान है, रहमान तयाला है,

مِنْهُ خُطَابًا ۝ يَوْمَ يَقُومُ الرُّوحُ وَالْبَهِيمَةُ صَفًّا ۝ لَا يَتَكَلَّمُونَ

वो उस से बात करने की ताकत भी नहीं रख सकेंगे. जिस दिन रूह और इरिश्ते सड़ बांध कर भडे होंगे, बोल नहीं

إِلَّا مَن أِذِنَ لَهُ الرَّحْمَنُ وَقَالَ صَوَابًا ۝ ذَلِكَ الْيَوْمُ الْحَقُّ ۝ فَمَن

सकेंगे मगर वही जिन को रहमान तयाला एजाजत दे और जो ठीक बात कहे. ये दिन उक है. फिर जो

شَاءَ اتَّخَذَ إِلَىٰ رَبِّهِ مَا بَاءًا ۝ إِنَّا أَنْذَرْنَاكُمْ عَذَابًا قَرِيبًا ۝ يَوْمَ يَنْظُرُ

चाहे अपने रब के पास ठिकाना बना ले. यकीनन हम ने तुम्हें करीबी अज्राब से डराया. जिस दिन एन्सान

الْمَرْءُ مَا قَدَّمَتْ يَدَهُ وَيَقُولُ الْكُفْرُ لِيَلْتِنِي كُنْتُ تُرَابًا ۝

दुभेगा वो आमाल जो उस के हाथों ने आगे भेजे और काफिर कहेगा के अे काश के मैं मिट्टी छोटा.

الْبَهِيمَةُ ۳٧ (٤٩) سُورَةُ الرَّحْمَنِ مَكِّيَّةٌ (٨١) رُكُوعَاتُهَا ٢

और २ रुकूअ हैं सूरे अे नाजिआत मक्का में नाजिल हुए उस में ४६ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

وَالنُّزُعَاتِ غَرْقًا ۝ وَالنَّشِطَاتِ نَشْطًا ۝ وَالسَّيْحَاتِ

उन इरिश्तों की कसम जो सप्ती से जान निकालने वाले हैं और उन इरिश्तों की कसम जो सडूत से जान निकालने वाले हैं

سَبَّحًا ٦ فَالسَّبِيْقَتِ سَبَقًا ٧ فَالْمَدْبِرَتِ امْرًا ٨ يَوْمَ

और उन झरिश्तों की कसम जो तेरे कर आने वाले हैं फिर उन झरिश्तों की कसम जो द्यौस कर आने वाले हैं फिर उन झरिश्तों की कसम जो

تَرْجُبُ الرَّاجِفَةَ ٩ تَتَّبِعُهَا الرَّادِفَةُ ١٠ قُلُوبُ

उभूर की तदबीर करने वाले हैं जिस दिन जलजला वाली जलजला ले आयेगी जिस के पीछे आयेगी पीछे आने वाली।

يَوْمَئِذٍ وَّاجِفَةٌ ١١ ابْصَارُهَا خَاشِعَةٌ ١٢ يَقُولُونَ

दिल उस दिन घडक रहे होंगे. उन की नजरें जूकी छुई होंगी. वो केहते हैं

ءَاِنَّا لَمَرْدُودُونَ فِي الْكَافِرَةِ ١٣ ءَاِذَا كُنَّا عِظَامًا تَخْرَجُ ١٤

के क्या हम पेहली डालत में लौटाये जायेंगे? क्या जब के हम भोभली डडियां डो जायेंगे?

قَالُوا تِلْكَ اِذَا كَرَّخَ خَاسِرَةٌ ١٥ فَاِنْبَا هِيَ رَجْرَةٌ وَّاحِدَةٌ ١٦

उन्हों ने कडा के तभ तो ये लौटना भसारे वाला है. वो क्यामत तो सिई अेक डी डंट डोगी।

فَاِذَا هُمْ بِالسَّاهِرَةِ ١٧ هَلْ اَتَكَ حَدِيثُ مُوسَى ١٨

के अेक दम वो सभ मैदान में डालिर डो जायेंगे. क्या तुभडारे पास मूसा (अलैडिस्सलाम) का किरसा पडोया?

اِذْ نَادَاهُ رَبُّهُ بِالْوَادِ الْمُقَدَّسِ طُوًى ١٩ اِذْ هَبْ

जब के उन के रभ ने उन को मुकदस वादिये तुवा में आवाज दी. के जाओ फिरऔन के पास,

اِلَى فِرْعَوْنَ اِنَّهُ طَغَى ٢٠ فَقُلْ هَلْ لَكَ اِلَى اَنْ تَرْكَبَ ٢١

ईस लिये के उस ने सरकशी की है. और कडो के क्या तुजे रगभत है के तू पाक साइ भन जाये? और मैं तुजे

وَاهْدِيكَ اِلَى رَبِّكَ فَتَخْشَى ٢٢ فَاَرَاهُ الْاٰيَةَ الْكُبْرٰى ٢٣

रास्ता दिभाउं तेरे रभ की तरफ के तुजे डर पैदा डो. तो मूसा (अलैडिस्सलाम) ने फिरऔन को भड भोअजिअ दिभाया.

فَكَذَّبَ وَعَصَى ٢٤ ثُمَّ اَدْبَرَ يَسْعٰى ٢٥ فَحَشَرَ فَنَادٰى ٢٦

फिर उस ने जूठलाया और नाइरमानी की. फिर वो पीठ केर कर भागा. फिर उस ने लोडों को ईकटा किया,

فَقَالَ اَنَا رَبُّكُمْ الْاَعْلٰى ٢٧ فَآخَذَهُ اللّٰهُ نَكَالَ الْاٰخِرَةِ

फिर पुकारा. और कडा के मैं डी तुभडारा रभे आला हुं. फिर अल्लाड ने उस को हुन्या और आभिरत के

وَالْاٰوَلٰى ٢٨ اِنَّ فِيْ ذٰلِكَ لَعِبْرَةً لِّمَنْ يَّحْشٰى ٢٩

अजाभ में पकड लिया. यकीनन उस में अलभता ईभ्रत है उस शप्स के लिये जो डरे. क्या तुभडारा

ءَ اَنْتُمْ اَشَدُّ خَلْقًا اَمِ السَّمٰءُ ٣٠ بَنِيهَا ٣١ رَفَعَ سَبْكَهَا

पैदा करना मुशकिल है या आस्मान का, जो अल्लाड ने बनाया? जिस की छत को उस ने बुलन्द किया,

فَسَوَّهَا ۱۳ وَأَغَطَّشَ لَيْلَهَا وَأَخْرَجَ صُحُفَهَا ۱۴ وَالْأَرْضَ بَعْدَ

झिरे उस को ठीक बनाया। और उस की रात को तारीक बनाया और उस की धूप को निकाला। और उस

ذَلِكَ دَحْهَهَا ۱۵ أَخْرَجَ مِنْهَا مَاءَهَا وَمَرْعَهَا ۱۶ وَالْجِبَالَ

के बाह जमीन बिछाई। उस में से उस का पानी और उस की चरागाह (यानी चारे) को निकाला। और

أَرْسَمَهَا ۱۷ مَتَاعًا لَكُمْ ۱۸ وَلَا نَعَامَكُمْ ۱۹ فَإِذَا جَاءَتِ الطَّائِفَةُ

पहाड़ों को गाड दिया। तुम्हारे झण्डे के लिये और चौपायों के लिये। फिर जब सब से बडी मुसीबत

الْكُبْرَى ۲۰ يَوْمَ يَتَذَكَّرُ الْإِنْسَانُ مَا سَعَى ۲۱ وَبُرِّزَتِ الْحَجِيمُ

आ जायेगी। जिस दिन ई-सान अपने किये को याद करेगा। और जहन्नम भोल दी जायेगी

لِإِنَّ يَرَى ۲۲ فَأَمَّا مَنْ طَغَى ۲۳ وَآثَرَ الْحَيَاةَ الدُّنْيَا ۲۴

उस शप्स के लिये जो हेभे। फिर जिस ने सरकशी की, और दु-न्यवी जिन्दगी को तरजुह दी,

فَإِنَّ الْحَجِيمَ هِيَ الْبَاؤَى ۲۵ وَأَمَّا مَنْ خَافَ مَقَامَ رَبِّهِ وَنَهَى

तो जहन्नम ही उस का ठिकाना है। और जो डरा अपने रब के सामने भडा होने से और उस ने

النَّفْسَ عَنِ الْهَوَى ۲۶ فَإِنَّ الْجَنَّةَ هِيَ الْبَاؤَى ۲۷ يَسْأَلُونَكَ

अपने नफ्स को ज्वाडिशत से रोका, तो यकीनन जन्नत ही उस का ठिकाना है। वो आप से

عَنِ السَّاعَةِ أَيَّانَ مُرْسَاهَا ۲۸ فِيمَ أَنْتَ مِنْ ذِكْرِهَا ۲۹

क्यामत के मुतअद्लिक सवाल करते हैं के कब उसे वाकअ होना है? उस के भताने में आप का क्या तअद्लुक?

إِلَىٰ رَبِّكَ مُنْتَهَاهَا ۳۰ إِنَّمَا أَنْتَ مُنذِرٌ مِّنْ نَّحْشِهَا ۳۱

आप के रब ही की तरफ उस के एल्म का मुन्तहा है। आप तो सिर्फ डराने वाले हैं उस शप्स को जो उस से डरे।

كَأَنَّهُمْ يَوْمَ يَرَوْنَهَا لَمْ يَلْبَثُوا إِلَّا عَشِيَّةً أَوْ ضُحَاهَا ۳۲

जिस दिन वो क्यामत को हेभेंगे गोया के वो (दु-न्या में) सिर्फ अेक शाम या अेक सुब्ह ठेडरे हैं।

رُكُوعَهَا

(१०) سُورَةُ عَبَسَ كَثِيرًا (۲۲)

الْبَاقِيهَا ۲۲

और १ रुकूअ है

सूरअे अबस मक्का में नाजिल हुई

उस में ४२ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो भडा मेहरभान, निडायत रहम वाला है

عَبَسَ وَتَوَلَّى ۱ أَنْ جَاءَهُ الْأَعْلَىٰ ۲ وَمَا يُدْرِيكَ لَعَلَّهٗ

भुंडु भिगाडा और अैराज किया। ईस वजह से के आप के पास अेक अ-न्धा आया। आप को क्या मालूम शायद वो

يُرِّيكَ ۱۳ أَوْ يَذَّكَّرُ فَتَنْفَعَهُ الذِّكْرَى ۱۴ أَمَا مِنْ اسْتَعْنَى ۱۵

संवर जाये. या नसीहत ले, फिर उसे नसीहत फ़ाँट्टा दे. हां जो बेपरवाही भरतता है,

فَأَنْتَ لَهُ تَصَدَّى ۱۶ وَمَا عَلَيْكَ إِلَّا يُرِّيكَ ۱۷ وَأَمَا مِنْ جَاءَكَ

तो आप उस के पीछे पडते हो? डालांके आप पर कुछ नहीं इस में के वो पाक नहीं होता. और हां जो आप

يَسْعَى ۱۸ وَهُوَ يَخْشَى ۱۹ فَأَنْتَ عَنْهُ تَلَهَّى ۲۰ كَلَّا إِنَّهَا

के पास आता है दौड कर और वो डरता भी है, तो आप उस से तगाकुल भरतते हो? डरगिज नहीं! ये तो

تَذَكَّرَةٌ ۲۱ فَمَنْ شَاءَ ذَكَرْهُ ۲۲ فِي صُحُفٍ مُّكْرَمَةٍ ۲۳ مَرْفُوعَةٍ

नसीहत है. फिर जो याहे उस से नसीहत पकडे. ये बाँधजगत सहीफों में है. जो बुलन्द हैं,

مُطَهَّرَةٍ ۲۴ بِأَيْدِي سَفَرَةٍ ۲۵ كِرَامٍ بَرَرَةٍ ۲۶ قَتَلَ الْإِنْسَانَ

साफ़ सुथरे हैं. ऐसे लिखने वाले इरिशतों के हाथों में हैं, जो बाँधजगत, इरमांभरदार हैं. इन्सान मारा

مَا أَكْفَرًا ۲۷ مِنْ أَيِّ شَيْءٍ خَلَقَهُ ۲۸ مِنْ تُطْفَأُ

जाये के कित्ना वो नाशकरा है. किस चीज से अद्लाह ने उस को पैदा किया? नुके से उस को पैदा किया. फिर भुअथन

خَلَقَهُ فَقَدَّرَهُ ۲۹ ثُمَّ السَّبِيلَ يَسْرَهُ ۳۰ ثُمَّ أَمَاتَهُ فَأَقْبَرَهُ ۳۱

मिकदार के साथ उस को बनाया. फिर रास्ता उस के लिये आसान किया. फिर उस को मौत दी, फिर उस को कब्र में पडोयाया. फिर

ثُمَّ إِذَا شَاءَ أَنْشَرَهُ ۳۲ كَلَّا لَمَّا يَقْضِ مَا أَمَرَهُ ۳۳ فَلْيَنْظُرِ

जब वो अद्लाह याहेगा तो उसे कब्र से उठायेगा. डरगिज नहीं! अब तक उस ने नहीं किया वो जिस का अद्लाह ने उस को

الْإِنْسَانَ إِلَى طَعَامِهِ ۳۴ أَنَا صَبَبْنَا الْمَاءَ صَبًّا ۳۵ ثُمَّ شَقَقْنَا

डुकम दिया. फिर इन्सान को याहिये के वो नजर उठाये अपने जाने की तरफ़. के डम ने पानी उपर से डाला. फिर डम ने

الْأَرْضَ شَقًّا ۳۶ فَأَنْبَتْنَا فِيهَا حَبًّا ۳۷ وَعَعَبْنَا وَقَضْبًا ۳۸

जमीन को फ़ाँटा. फिर डम ने उस में अनाज उगाया. और अंगूर और तरकारी.

وَزَيْتُونًا وَنَخْلًا ۳۹ وَحَدَائِقَ غُلْبًا ۴۰ وَفَاكِهَةً وَأَبًّا ۴۱

और जैतून और भजूर. और घने भागात. और मेवा और यारा.

مَتَاعًا لَكُمْ ۴۲ وَإِنْعَامَكُمْ ۴۳ فَإِذَا جَاءَتِ الصَّاحَّةُ ۴۴

तुम्हारे अपने और तुम्हारे यौपाओं के लिये फ़ाँट्टे के भातिर. फिर जब शोर वाली कयामत आ जायेगी.

يَوْمَ يَفِرُّ الْبَرُّ مِنْ أَخِيهِ ۴۵ وَأُمُّهُ وَأَبِيهِ ۴۶ وَصَاحِبَتِهِ

उस दिन डर शप्स भागेगा अपने भाई से. और अपनी मां और अपने बाप से. और अपनी बीवी

وَبَيْنِيهِ ۝ لِكُلِّ أَمْرٍ مِّنْهُمْ يَوْمَئِذٍ شَأْنٌ يُّغْنِيهِ ۝

और अपने बेटों से. उन में से हर शप्स के लिये उस दिन अक किकर डोगा जो उस को हर चीज से

وَجُودُهُ يَوْمَئِذٍ مُّسْفَرَةٌ ۝ ضَاحِكَةٌ مُّسْتَبْشِرَةٌ ۝

बेपरवाड कर डेगा. कुड येडरे उस दिन यमक रडे डोंगे. डंसी भुशी.

وَوُجُودُهُ يَوْمَئِذٍ عَلَيْهَا غَبَرَةٌ ۝ تَرْهَقُهَا قَتَرَةٌ ۝

और कुड येडरे उस दिन (अैसे डोंगे के) उन पर गुबार डोगा. उन पर सियाडी (यानी जिल्लत) धाई डुई डोगी.

أُولَئِكَ هُمُ الْكَافِرَةُ الْفَجَرَةُ ۝

यडी बडकार काकिर डोंगे.

رُوعَهَا ۱

(۸۱) سُورَةُ التَّكْوِيْرِ الْمَكِّيَّةُ (۷)

آيَاتُهَا ۲۹

और १ रुकूअ डै सूअरअे तकवीर मक्का में नाजिल डुई उस में २९ आयतें डैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पणडता डुं अड्लाड का नाम ले कर जो बडा मेडरभान, निडायत रडम वाला डै

إِذَا الشَّمْسُ كُوِّرَتْ ۝ وَإِذَا النُّجُومُ انْكَدَرَتْ ۝ وَإِذَا الْجِبَالُ

जब सूअरज लपेट लिया जाअे. और जब सितारे बेनूर डो जाअें. और जब पडाड यलाअे जाअें.

سُيِّرَتْ ۝ وَإِذَا الْعِشَارُ عُطِّلَتْ ۝ وَإِذَا الْوُحُوشُ حُشِرَتْ ۝

और जब दस मडीने की गात्मन डोटनी भुली डोड डी जाअे. और जब वडशी जानवर डकडे किये

وَإِذَا الْبِحَارُ سُجِّرَتْ ۝ وَإِذَا النُّفُوسُ زُوِّجَتْ ۝

जाअे. और जब समन्डर आग बना डिये जाअे. और जब तमाम डन्सानों की अक अक क्किसम को जमा

وَإِذَا الْمَوْءِدَةُ سُئِلَتْ ۝ بِأَيِّ ذَنْبٍ قُتِلَتْ ۝ وَإِذَا الصُّحُفُ

किया जाअे. और जब जिन्दा दरगोर की डुई बखी से पूछा जाअे, के क्किस गुनाड में उसे क्तल किया गया? और

نُشِرَتْ ۝ وَإِذَا السَّمَاءُ كُشِطَتْ ۝ وَإِذَا الْجَبَابِطُ سُعِّرَتْ ۝

जब नामअे आमाल भोले जाअे. और जब आस्मान की भाल भीय ली जाअे. और जब जडन्म तसकई

وَإِذَا الْجَنَّةُ أُرْفِطَتْ ۝ عَلِمَتْ نَفْسٌ مَّا أَحْضَرَتْ ۝

जाअे. और जब जन्त करीब लाई जाअे. तो हर शप्स जान डेगा जो कुड वो ले कर आया डै.

فَلَا أَقْسِمُ بِالْخُنُوسِ ۝ الْجَوَارِ الْكُنَّسِ ۝ وَاللَّيْلِ إِذَا عَسْعَسَ ۝

किर मैकसम भाता डुं उन सितारों की जो पीछे डटने वाले, सीधे चलने वाले, डुपने वाले डैं रात की कसम जब वो तारीक डो जाअे.

وَالصُّبْحِ إِذَا تَنَفَّسَ ۝ إِنَّهُ لَقَوْلُ رَسُولٍ كَرِيمٍ ۝ ذِي

સુબહ કી કસમ જબ વો સાંસ લે (આ જાએ). યકીનન યે કુર્આન એસે ભેજે હુવે મુઅજ્જલ ફરિશ્તે કા કલામ હે, જો

قُوَّةٍ عِنْدَ ذِي الْعَرْشِ مَكِينٍ ۝ مَطَّاعٍ ثَمَّ أَمِينٍ ۝

કુવ્વત વાલા, અર્શ વાલે કે પાસ રેહને વાલા, મરતબે વાલા હે. ફરિશ્તો કા મુતાઅ, વહાં અમાનતદાર ભી હે.

وَمَا صَاحِبُكُمْ بِبَجْوُونٍ ۝ وَلَقَدْ رَأَاهُ بِالْأُفُقِ الْمُبِينِ ۝

ઔર તુમહારે સાથી (નબી) મજનૂન નહીં હે. બેશક ઉન્હો ને ઉસ ફરિશ્તે કો દેખા હે સાફ આસ્માન કે કિનારે મે.

وَمَا هُوَ عَلَى الْغَيْبِ بِضَنِينٍ ۝ وَمَا هُوَ بِقَوْلِ شَيْطَانٍ

ઔર વો ગૈબ કી ચીઝો (કે બતલાને) મેં બખીલ નહીં હે. ઔર કુર્આન શયતાન મરદૂદ કા કલામ

رَجِيمٍ ۝ فَأَيْنَ تَذْهَبُونَ ۝ إِنْ هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ لِلْعَالَمِينَ ۝

નહીં હે. ફિર તુમ કહાં જા રહે હો? યે કુર્આન તો તમામ જહાન વાલોં કે લિયે નસીહત હે.

لِسَنِّ شَاءٍ مِنْكُمْ أَنْ يَسْتَقِيمَ ۝ وَمَا تَشَاءُونَ

ઉસ શખ્સ કે લિયે જો તુમ મેં સે યાહે કે વો સીધે રાસ્તે પર રહે. ઔર અલ્લાહ રબ્બુલ આલમીન

إِلَّا أَنْ يَشَاءَ اللَّهُ رَبُّ الْعَالَمِينَ ۝

કી મશીયત પર તુમહારા ઈરાદા મૌકૂફ હે.

كُوْعَهَا ۱

(۸۲) سُورَةُ الْاِنْشِقَاطِ مَكِّيَّةٌ (۸۲)

اَيَاتُهَا ۱۹

ઔર ૧ રુકૂઅ હે સૂરએ ઈન્ફિતાર મક્કા મેં નાઝિલ હુઈ ઉસ મેં ૧૯ આયતે હે

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

પબ્હતા હું અલ્લાહ કા નામ લે કર જો બડા મેહરબાન, નિહાયત રહમ વાલા હે

إِذَا السَّمَاءُ انْفَطَرَتْ ۝ وَإِذَا الْكَوَاكِبُ انْتَثَرَتْ ۝ وَإِذَا الْجَارُ

જબ આસ્માન ફટ જાએ. ઔર જબ તારે જડ જાએ. ઔર જબ સમન્દર બહા દિયે

فُجِّرَتْ ۝ وَإِذَا الْقُبُورُ بُعْثِرَتْ ۝ عَلِمْتَ نَفْسٌ مَّا قَدَّمَتْ

જાએ. ઔર જબ કબ્રો ઉખેડ દી જાએ. તો હર શખ્સ જાન લેગા જો ઉસ ને આગે ભેજા

وَآخَرَتْ ۝ يَا أَيُّهَا الْإِنْسَانُ مَا عَرَاكَ بِرَبِّكَ الْكَرِيمِ ۝

ઔર પીછે છોડા. એ ઈન્સાન! તુજે કિસ ચીઝ ને ધોકે મેં ડાલ રખા હે તેરે રબ્બે કરીમ સે?

الَّذِي خَلَقَكَ فَسَوَّبَكَ فَعَدَلَكَ ۝ فِي أَيِّ صُورَةٍ مَّا شَاءَ

જિસ ને તુજે પૈદા કિયા, ફિર તુજે હુરુસ્ત બનાયા, ફિર તુજે બરાબર કિયા. જૌનસી સૂરત મેં ઉસ ને યાહા

رَبِّكَ ۞ كَلَّا بَلْ تُكذِّبُونَ بِالَّذِينَ ۞ وَإِنَّ عَلَيْكُمْ

तुझे जोड दिया. हरगिज नही! बल्के तुम खिसाब को जुठलाते हो. और यकीनन तुम पर निगरां इरिशते

لَحْفَظِينَ ۞ كِرَامًا كَاتِبِينَ ۞ يَعْلَمُونَ مَا تَفْعَلُونَ ۞

मुतअय्यन हैं. किरामन कातिबीन. जानते हैं वो जो तुम करते हो.

إِنَّ الْأَبْرَارَ لَفِي نَعِيمٍ ۞ وَإِنَّ الْفُجَّارَ لَفِي جَحِيمٍ ۞

बेशक नेक लोग नेअमतों में होंगे. और बढकार बेशक दोऊन में होंगे.

يَصَلُّونَهَا يَوْمَ الذِّينِ ۞ وَمَا هُمْ عَنْهَا بِغَائِبِينَ ۞

वो उस में द्वाबिल होंगे खिसाब के दिन. और वो उस से गाँधन नही होंगे. और तुम

وَمَا أَدْرَاكَ مَا يَوْمَ الذِّينِ ۞ ثُمَّ مَا أَدْرَاكَ مَا يَوْمَ الذِّينِ ۞

क्या समजे के खिसाब का दिन क्या थीज है? फिर तुम क्या समजे के खिसाब का दिन क्या थीज है? जिस

يَوْمَ لَا تَهْلِكُ نَفْسٌ لِنَفْسٍ شَيْئًا وَالْأَمْرُ يَوْمَئِذٍ لِلَّهِ ۞

दिन कोँ शप्स किसी शप्स की नफ़रसानी पर कदिर नही होगा. और तमाम उभूर उस दिन अद्लाड तआला के पास होंगे.

۱۱۱ ۳۶ (۸۳) سُورَةُ الْمُطَفِّفِينَ مَكِّيَّةٌ (۸۱) رُكُوعًا ۱

और १ रुकूअ है सूरे मुतइफ़िनीन मक्का में नाजिल हुँ उँस में ३६ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۞

पण्डता हुँ अद्लाड का नाम ले कर जो भडा मेहरभान, निडायत रडम वाला है

وَيْلٌ لِّلْمُطَفِّفِينَ ۞ الَّذِينَ إِذَا أَكْتَالُوا عَلَى النَّاسِ

उलाकत है कम देने वालों के लिये. जब वो लोगों से नाप कर लें

يَسْتَوْفُونَ ۞ وَإِذَا كَالُوهُمْ أَوْ وَزَنُوهُمْ يُخْسِرُونَ ۞

तो पूरा लेते हैं. और जब उन को नाप कर दें या उन को वजन कर के दें तो कम कर के देते हैं.

إِلَّا يَظُنُّ أَوْلِيَاكَ أَنَّهُمْ مَبْعُوثُونَ ۞ لِيَوْمٍ عَظِيمٍ ۞

क्या उँहें ये गुमान नही के वो कध्रों से जिन्दा कर के उठाये जाअेंगे? अक भडे दिन में.

يَوْمَ يَقُومُ النَّاسُ لِرَبِّ الْعَالَمِينَ ۞ كَلَّا إِنَّ كِتَابَ

जिस दिन तमाम ईन्सान रब्बुल आलमीन के सामने भडे होंगे. हरगिज नही! यकीनन बढकारों का

الْفُجَّارِ لَفِي سِجِّينٍ ۞ وَمَا أَدْرَاكَ مَا سِجِّينٌ ۞ كِتَابٌ

नामअे आमाल सिज्जिन में है. और तुम क्या समजे के सिज्जिन क्या है? अक लिपी

مَرَقُومٌ ۱ وَيْلٌ يَوْمَئِذٍ لِلْمُكَذِّبِينَ ۱۱ الَّذِينَ يَكْذِبُونَ يَوْمَ

હુઈ ક્રિતાબ છે. હલાકત છે ઉસ દિન ઉન જુઠલાને વાલોં કે લિયે. જો હિસાબ કે દિન કો જુઠલાતે છે.

الَّذِينَ ۱۱ وَمَا يُكْذَبُ بِهِ إِلَّا كُلُّ مُعْتَدٍ أَثِيمٍ ۱۲ إِذَا تُتْلَىٰ

ઔર ઉસ કો નહીં જુઠલાતા મગર હર હદ સે આગે બજહેને વાલા ગુનેહગાર. જબ ઉસ પર હમારી આયતો

عَلَيْهِ آيَاتُنَا قَالَ أَسَاطِيرُ الْأَوَّلِينَ ۱۳ كَلَّا بَلْ سَخَّ رَانَ

તિલાવત કી જાવે તો કહે કે યે તો પેહલે લોગોં કી ઘડી હુઈ કહાનિયાં છે. હરગિઝ નહીં! બલકે ઉન

عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ مَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ۱۴ كَلَّا إِنَّهُمْ عَنْ رَبِّهِمْ

કે દિલોં પર ઉન કે કર્તૂત ને ઝંગ ચજહા દિયા છે. હરગિઝ નહીં! યકીનન યે લોગ અપને રબ સે

يَوْمَئِذٍ لَمَحْجُوبُونَ ۱۵ ثُمَّ إِنَّهُمْ لَصَالُوا الْمُجِيمِ ۱۶

ઉસ દિન હિજાબ મેં હોંગે. ફિર વો દોઝખ મેં ઝરર દાખિલ હોંગે.

ثُمَّ يُقَالُ هَذَا الَّذِي كُنْتُمْ بِهِ تُكَذِّبُونَ ۱۷ كَلَّا إِنَّ كِتَابَ

ફિર કહા જાએગા કે યહી વો અઝાબ છે જિસ કો તુમ જુઠલાતે थे. હરગિઝ નહીં! બેશક નેક લોગોં કા

الْأَبْرَارِ لَفِي عِلِّيِّينَ ۱۸ وَمَا أَدْرَاكَ مَا عِلِّيُّونَ ۱۹ كِتَابٌ

નામએ આમાલ ઈલ્લીયીન મેં છે. ઔર તુમ કયા સમજે હો કે ઈલ્લીયીન કયા છે? એક લિખી હુઈ

مَرَقُومٌ ۲۰ يَتَّبِعُهُ الْمُتَرَبُّونَ ۲۱ إِنَّ الْأَبْرَارَ لَفِي نَعِيمٍ ۲۲

ક્રિતાબ છે. જિસ કે પાસ મુકરબ ફરિશ્તે મૌજૂદ રેહતે છે. યકીનન નેક લોગ નેઅમતોં મેં હોંગે.

عَلَىٰ الْأَرَابِكِ يُنظَرُونَ ۲۳ تَعْرِفُ فِي وُجُوهِهِمْ نَضْرَةَ

તપ્તોં પર બેઠ કર દેખ રહે હોંગે. ઉન કે ચેહરોં મેં આપ નેઅમત કી તાઝગી માલૂમ કર

النَّعِيمِ ۲۴ يُسْقَوْنَ مِنْ رَحِيقٍ خَمْرٍ ۲۵ خِتْمُهُ مِسْكَ

લોગે. ઉનહે પિલાઈ જાએગી ખાલિસ શરાબ, જિસ પર મુહર લગી હુઈ હોગી. જિસ કી મુહર મુશક કી હોગી.

وَفِي ذَلِكَ فَلْيَتَنَافَسِ الْمُتَنَافِسُونَ ۲۶ وَمَرْاجَهُ مِنْ نَسِيمٍ ۲۷

ઔર ઉસી મેં તનાફુસ કરને વાલોં કો તનાફુસ કરના યાહિયે. ઔર ઉસ શરાબ કી આમેઝિશ તસ્નીમ સે

عَيْنًا يَشْرَبُ بِهَا الْمُتَرَبُّونَ ۲۸ إِنَّ الَّذِينَ أَجْرَمُوا كَانُوا

હોગી. એક યશમે સે જિસ યશમે સે મુકરબીન પિયેંગે. બેશક મુજરિમ લોગ ઈમાન

مِنَ الَّذِينَ آمَنُوا يَصْحَكُونَ ۲۹ وَإِذَا مَرُّوا بِهِمْ يَتَغَامِرُونَ ۳۰

વાલોં પર હંસા કરતે थे. ઔર જબ ઉન પર વો ગુઝરતે તો આપસ મેં આંખેં મારતે थे. ઔર જબ

وَإِذَا انْقَلَبُوا إِلَىٰ أَهْلِهِمْ انْقَلَبُوا فَكِهِينَ ﴿۳۱﴾ وَإِذَا رَأَوْهُمْ قَالُوا

वो अपने घर वालों के पास पलटते थे, तो पलट कर ली मजे ले कर उन की बातें करते थे और जब वो उन को देखते

إِنَّ هَؤُلَاءِ لَصَّالُونَ ﴿۳۲﴾ وَمَا أَرْسَلْنَا عَلَيْهِمْ حَفِظِينَ ﴿۳۳﴾ فَأَلْيَوْمَ

थे तो कहते थे के ये लोग गुमराह लोग हैं। हालांकि वो उन पर मुहाफिज बना कर नहीं भेजे गये। फिर

الَّذِينَ آمَنُوا مِنَ الْكُفَّارِ يَضْحَكُونَ ﴿۳۴﴾ عَلَىٰ الْأَرْبَابِ ۖ

आज ईमान वाले काफ़िरो से हंसते हैं। तमों पर बैठे

يُنظُرُونَ ﴿۳۵﴾ هَلْ تُوْبَ الْكُفَّارُ مَا كَانُوا يَفْعَلُونَ ﴿۳۶﴾

देख रहे हैं। के क्या अब कुफ़ार को उन के किये का बदला मिल गया?

رُوعَهَا ۱ (۸۳) سُورَةُ الْإِنْشِقَاقِ مَكِّيَّةٌ (۸۳) ۱۵ آيَاتُهَا

और १ रूकूअ है सूरे अन्शिकाक मक्का में नाजिल हुई उस में १५ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बड़ा मेहरबान, निडायत रहम वाला है

إِذَا السَّمَاءُ انشَقَّتْ ﴿۳۷﴾ وَأَذِنَتْ لِرَبِّهَا وَحُقَّتْ ﴿۳۸﴾

जब आस्मान फट जाये और आस्मान कान लगाये हुवे है अपने रब के हुकम के लिये और वो उसी के लाईक है।

وَإِذَا الْأَرْضُ مُدَّتْ ﴿۳۹﴾ وَأَلْقَتْ مَا فِيهَا وَتَخَلَّتْ ﴿۴०﴾ وَأَذِنَتْ

और जब जमीन फैला दी जाये और वो जल दे उन चीजों को जो उस में है और जली हो जाये और जमीन ली कान लगाये

لِرَبِّهَا وَحُقَّتْ ﴿۴१﴾ يَا أَيُّهَا الْإِنْسَانُ إِنَّكَ كَادِحٌ إِلَىٰ رَبِّكَ

हुवे है अपने रब के हुकम के लिये और वो उसी के लाईक है। अ ईन्सान! यकीनन तेरे रब की तरफ़ पड़ोयने के लिये

كَدْحًا فَمُلَاقِيهِ ﴿۴२﴾ فَأَمَّا مَنْ أُوْتِيَ كِتَابَهُ بِيَمِينِهِ ﴿۴३﴾

तुझे भूष मेहनत करनी है, फिर तू उस से मिलने वाला है। तो जिस को उस का नाम अे आमा ल द्हाडने छाय में दिया

فَسَوْفَ يُحَاسِبُ حَسَابًا يَسِيرًا ﴿۴४﴾ وَيُنْقَلِبُ إِلَىٰ أَهْلِهِ

जायेगा, तो आगे उस से आसान हिसाब लिया जायेगा। और वो अपने घर वालों की तरफ़ भुश भुश

مَسْرُورًا ﴿۴५﴾ وَأَمَّا مَنْ أُوْتِيَ كِتَابَهُ وَرَاءَ ظَهْرِهِ ﴿۴६﴾ فَسَوْفَ

वापस आयेगा। और जिस का नाम अे आमा ल उस की पीठ पीछे से दिया जायेगा, तो वो

يَدْعُوا تَبُورًا ﴿۴७﴾ وَيَصْلِي سَعِيرًا ﴿۴८﴾ إِنَّهُ كَانَ فِي أَهْلِهِ

मौत को पुकारेगा। और आग में द्हाबिल होगा। इस लिये के वो अपने घर वालों में

مَسْرُورًا ۱۳ إِنَّهُ ظَنَّ أَنْ لَنْ يَحُورَ ۱۴ بَلَىٰ ۱۵ إِنَّ رَبَّهُ كَانَ

भुश रेहता था. उस का गुमान था के वो उरगिज लौट कर आयेगा नहीं. कयुं नहीं! यकीनन उस का रब उस

بِهِ بِصِيرًا ۱۶ فَلَا أُقْسِمُ بِالشَّفَقِ ۱۷ وَاللَّيْلِ

को हेभ रहा था. फिर मैं शक की कसम खाता हूँ. और रात की कसम खाता हूँ. और उन थीजों की

وَمَا وَسَقَى ۱۸ وَالْقَمَرِ إِذَا اتَّسَقَ ۱۹ لَتَرْكَبُنَّ طَبَقًا عَنْ طَبِقٍ ۱۹

जिन को रात ने जमा कर लिया है. यांहे की कसम जब वो पूरा रोशन हो जाये. तुम जरूर एक डाल से दूसरे

فَمَا لَهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ۲० وَإِذَا قَرِئَ عَلَيْهِمُ الْقُرْآنُ

डाल पर यण्डोगे. फिर उन्हें क्या हुवा के वो धिमान नहीं लाते? और जब उन पर कुर्आन पण्डा जाता है

لَا يَسْجُدُونَ ۲१ بَلِ الَّذِينَ كَفَرُوا يَكْذِبُونَ ۲२ وَاللَّهُ

तो सजदा नहीं करते. बल्के काफिर लोग जुहलाते हैं. और अल्लाह भूष जानता है

أَعْلَمُ بِمَا يُوعُونَ ۲३ فَبَشِّرْهُمْ بِعَذَابٍ أَلِيمٍ ۲४

उस को जो वो हिल में भरे रખते हैं. तो आप उन को दहनाक अजाब की बशारत सुना दीजिये. मगर

إِلَّا الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لَهُمْ أَجْرٌ غَيْرُ مَمْنُونٍ ۲५

वो लोग जो धिमान लाये और नेक अमल करते रहे उन के लिये ऐसा अजर होगी जो भत्म नहीं होगी.

۱۱ آيَاتُهَا ۲۲ (۸۵) سُورَةُ الْبُرُوجِ مَكِّيَّةٌ (۲۴) رُكُوعُهَا ۱

उस में २२ आयतें हैं और १ रुकूअ है सूरअे बुरज मक्का में नाजिल हुई

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हूँ अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निडायत रहम वाला है

وَالسَّمَاءِ ذَاتِ الْبُرُوجِ ۱ وَالْيَوْمِ الْمَوْعُودِ ۱ وَشَاهِدِ

भुरजो वाले आस्मान की कसम! वाहे वाले दिन की कसम! डालिर होने वाले

وَمَشْهُودِ ۲ قَتِيلِ أَصْحَابِ الْأُحُدِ ۳ وَالنَّارِ ذَاتِ

की कसम और डालरी के दिन की कसम! भन्डकों वाले मारे जाअें. धिन वाली

الْوَقُودِ ۴ إِذْ هُمْ عَلَيْهَا قُعُودٌ ۵ وَهُمْ عَلَىٰ مَا يَفْعَلُونَ

आग वाले. जब वो उस के उपर बैठे हुवे थे. और वो हेभ रहे थे जो कुछ वो धिमान वालों के साथ

بِالْمُؤْمِنِينَ شُهُودٌ ۶ وَمَا نَقَمُوا مِنْهُمْ إِلَّا أَنْ يُؤْمِنُوا

कर रहे थे. और वो धिमान वालों से सिई धसी बात का धन्तिकाम ले रहे थे के वो धिमान लाये हैं

بِاللَّهِ الْعَزِيزِ الْحَمِيدِ ۸ الَّذِي لَهُ مُلْكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۙ

काबिले तारीफ़, जबरदस्त अदलाह पर. उस अदलाह पर जिस के लिये आस्मानों और जमीन की सल्तनत है.

وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ شَهِيدٌ ۙ إِنَّ الَّذِينَ فَتَنُوا الْمُؤْمِنِينَ

और अदलाह हर चीज़ पर निगरां है. बेशक जिन लोगों ने ईमान वाले भरदों

وَالْمُؤْمِنَاتِ ثُمَّ لَمْ يَتُوبُوا فَلَهُمْ عَذَابٌ جَهَنَّمَ وَلَهُمْ عَذَابٌ

और औरतों को ईजा दी, फिर उन-हों ने तौबा नहीं की, तो उन के लिये जहन्नम का अजाब है और उन के लिये

الْحَرِيقِ ۙ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لَهُمْ جَنَّاتٌ

जलने का अजाब है. यकीनन वो लोग जो ईमान लाये और नेक अमल करते रहे उन के लिये जन्नतें हैं

تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ ۚ ذَلِكَ الْفَوْزُ الْكَبِيرُ ۙ

जिन के नीचे से नहरें बहती होंगी. ये बड़ी काम्याबी है. यकीनन

إِنَّ بَطْشَ رَبِّكَ لَشَدِيدٌ ۙ إِنَّهُ هُوَ يُبَدِّلُ وَيُعِيدُ ۙ وَهُوَ

तेरे रब की पकड़ बड़ी सभत है. वही पोटली भरतबा पैदा करता है और वही दोबारा पैदा करेगा. और

الْعَفُورُ الْاُدُودُ ۙ ذُو الْعَرْشِ الْحَمِيدُ ۙ فَعَالٌ

वो बड़ोत जयादा बम्शने वाला, बड़ोत जयादा मडबभत वाला, अर्श का मालिक, बुजुर्ग है. करता है वही

لَمَّا يُرِيدُ ۙ هَلْ أَتَكَ حَدِيثَ الْجُودِ ۙ فَرَعُونَ وَتَمُودُ ۙ

जिस का वो ईरादा करता है. क्या आप के पास लशकरो का किस्सा पड़ोया? फिरऔन और समुद का.

بَلِ الَّذِينَ كَفَرُوا فِي تَكْذِيبٍ ۙ وَاللَّهُ مِنْ وَّرَائِهِمْ

बल्के काफिर लोग जूठलाने में लगे हैं. और अदलाह उन को हर तरफ़ से घेरे

مُحِيطٌ ۙ بَلْ هُوَ قَرَانٌ مَجِيدٌ ۙ فِي لَوْحٍ مَحْفُوظٍ ۙ

हुवे है. बल्के ये बुजुर्गी वाला कुरआन, लच्छे मडकूज में है.

رُؤُوعَهَا ۙ

(۸۱) سُورَةُ الطَّارِقِ مَكِّيَّةٌ (۳۶)

اَيَّاهَا ۙ

और १ रुकूअ है

सूरअे तारिक मक्का में नाजिल हुई

उस में १७ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۙ

पण्डता हुं अदलाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निडायत रहम वाला है

وَالسَّمَاءِ وَالطَّارِقِ ۙ وَمَا أَدْرَاكَ مَا الطَّارِقُ ۙ النُّجْمِ

आस्मान की कसम और रात में आने वाले की कसम! और तुम क्या समजे रात में आने वाला क्या है? यमकता

الثَّاقِبُ ۝ إِنَّ كُلَّ نَفْسٍ لَّمَّا عَلَيْهَا حَافِظٌ ۝ فليَنْظُرِ

हुवा तारा है. कोई शप्स भी नहीं है जिस पर निगरान (इरिश्ता) मुकरर न हो. तो धन्सान को याखिये के

الْإِنْسَانَ مِمَّ حُلِقَ ۝ حُلِقَ مِنْ مَّاءٍ دَافِقٍ ۝ يَخْرُجُ

देषे के किस थील से वो पैदा किया गया है. वो पैदा किया गया है उछलने वाले पानी से. जो निकलता है

مِنْ بَيْنِ الصُّلْبِ وَالتَّرَائِبِ ۝ إِنَّهُ عَلَى رَجْعِهِ لَقَادِرٌ ۝

रीठ की उड़ी से और सीने की उड़ियों के दरमियान से. यकीनन वो उस के दोबारा लाने पर जरूर कादिर है.

يَوْمَ تَبْيَأُ السَّرَائِرُ ۝ فَمَا لَهُ مِنْ قُوَّةٍ وَلَا نَاصِرٍ ۝ وَالسَّمَاءِ

जिस दिन भेदों का धस्तिखान लिया जायेगा. फिर न धन्सान में कुछ कोई कुवत होगी और न (उस का) कोई

ذَاتِ الرَّجْعِ ۝ وَالْأَرْضِ ذَاتِ الصَّدْعِ ۝ إِنَّهُ لَقَوْلٍ

मददगार. बारिश वाले आस्मान की कसम! और इटने वाली जमीन की कसम! बेशक ये कुर्आन

فَصْلٌ ۝ وَمَا هُوَ بِالْهَزْلِ ۝ إِنْهُمْ يَكِيدُونَ كَيْدًا ۝

कौले कैसेल है. और ये कोई मजाक नहीं है. काफिर भी मकर कर रहे हैं.

وَأَكِيدُ كَيْدًا ۝ فَمَهْلِكِ الْكَافِرِينَ أَمْهَلَهُمْ رُؤْيَا ۝

और मैं भी तदबीर कर रहा हूँ. फिर काफिरों को मोडलत दे दीजिये, उन को थोड़ी सी मोडलत दे दीजिये.

رُؤْيَا ۝ (٨٤) سُورَةُ الْأَعْلَى ۝ (٨) رُؤْيَا ۝

और १ रूकूअ है

सूरअे अअला मक्का में नाजिल हुँ

उस में १८ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुँ अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निडायत रहम वाला है

سَبِّحْ اسْمَ رَبِّكَ الْأَعْلَى ۝ الَّذِي خَلَقَ فَسَوَّى ۝ وَالَّذِي

अपने बुलन्द तरीन रब के नाम की तस्बीह कीजिये. जिस ने मण्डूक पैदा की, फिर उस ने दुरुस्त बनाया. और

قَدَّرَ وَهَدَى ۝ وَالَّذِي أَخْرَجَ الْمَرْعَى ۝ فَجَعَلَهُ غُثَاءً

जिस ने मिकदार से बनाया, फिर रास्ता दिभाया. और जिस ने चारा उगाया. फिर उस को कला कूडा करकट

أَحْوَى ۝ سَنُقَرِّبُكَ فَلَا تَنْسَى ۝ إِلَّا مَا شَاءَ اللَّهُ ۝ إِنَّهُ

बना दिया. अनकरीब हम आप को पण्डाओगे, फिर आप भूलेंगे नहीं, मगर जो अल्लाह चाहे. यकीनन वो जानता

يَعْلَمُ الْجَهْرَ وَمَا يَخْفَى ۝ وَنُيَسِّرُكَ لِلْيُسْرَى ۝ فَذَكِّرْ

है और से कधी हुँ और आखिस्ता कधी हुँ बात को. और हम आप के लिये आसानि वाली (मिल्लत) को आसान कर के हेंगे.

إِنْ نَفَعَتِ الذِّكْرَى ۝ سَيَذَكَّرُ مَنْ يَخْشَى ۝

ઈસ લિયે આપ નસીહત કીજિયે અગર નસીહત ફાઈદા દે. અનકરીબ નસીહત હાસિલ કરેગા વો શખ્સ જો ડરેગા,

وَ يَجْجَبْهَا الرَّشْقَى ۝ الَّذِي يَصَلَى النَّارَ الْكُبْرَى ۝

और उस से दूर रहेगा वो बटबप्त, जो बड़ी आग में दाખिल होगा.

ثُمَّ لَا يَمُوتُ فِيهَا وَلَا يَحْيَى ۝ قَدْ أَفْلَحَ مَنْ تَزَى ۝

ફિર વો ઉસ મેં ન મરેગા, ન જિયેગા. યકીનન કામ્યાબ હે વો શખ્સ જિસ ને તઝકિયા કિયા.

وَ ذَكَرَ اسْمَ رَبِّهِ فَصَلَّى ۝ بَلْ تُؤَثِّرُونَ الْحَيَوَةَ الدُّنْيَا ۝

और अपने रब का नाम लिया, फिर नमाज पण्डी. बल्के तुम दुन्यवी जिन्दगी को तरजुह देते हो.

وَ الْآخِرَةُ خَيْرٌ وَأَبْقَى ۝ إِنَّ هَذَا لَفِي الصُّحُفِ

હાલાંકે આખિરત બેહતર હે ઓર ઝયાદા બાકી રહેને વાલી હે. યકીનન યહી બાત પેહલે સહીફોં

الْأُولَى ۝ صُحُفِ إِبْرَاهِيمَ وَمُوسَى ۝

મેં હે. ઈબ્રાહીમ (અલૈહિસ્સલામ) ઓર મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) કે સહીફોં મેં હે.

۱۸۸ (سُورَةُ الْغَاشِيَةِ مَكِّيَّةٌ (۶۸) رَوَعَهَا ۱

और १ रुकूअ है सूअे गाशिया मक्का में नाजिल हुई उस में २६ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

પણ્હતા હું અલ્લાહ કા નામ લે કર જો બડા મેહરબાન, નિહાયત રહમ વાલા હે

هَلْ أَتَاكَ حَدِيثُ الْغَاشِيَةِ ۝ وَجُوهٌ يَوْمِئِذٍ خَاشِعَةٌ ۝

કયા આપ કે પાસ ઢાંપને વાલી (કયામત) કા કિસ્સા પહોંચ્યા? ઉસ દિન કુછ ચેહરે ઝલીલ હોંગે.

عَامِلَةٌ نَّاصِبَةٌ ۝ تَصَلَّى نَارًا حَامِيَةً ۝ تُسْقَى

કામ કરને વાલે, (બુરે કામ કી વજહ સે) થકે હુવે હોંગે. વો ગર્મ આગ મેં દાખિલ હોંગે. ખોલતે

مِنْ عَيْنٍ آيِنَةٍ ۝ لَيْسَ لَهُمْ طَعَامٌ إِلَّا مِنْ ضَرِيحٍ ۝ لَا يُسْمِنُ

હુવે યશ્મે સે (પાની) ઉચ્હે પીને કો દિયા જાએગા. ઉન કે લિયે કોઈ ખાના નહીં હોગા મગર જાડ કાંટો વાલા.

وَلَا يُغْنِي عَنْهُ جُوعٌ ۝ وَجُوهٌ يَوْمِئِذٍ نَاعِمَةٌ ۝

જો ન મોટા કરે ઓર ન ભૂખ કે કુછ કામ આએ. કુછ ચેહરે ઉસ દિન તર વ તાઝા હોંગે.

لَسَعِيهَا رَاضِيَةٌ ۝ فِي جَنَّةٍ عَالِيَةٍ ۝ لَا تَسْمَعُ فِيهَا

અપને અમલ સે ખુશ હોંગે. ઊંચી જન્નત મેં હોંગે. જિસ મેં વો લગ્વ બાત

وقف لآز

لَاغِيَةً ۱۱ فِيهَا عَيْنٌ جَارِيَةٌ ۱۲ فِيهَا سُرٌّ مَرْفُوعَةٌ ۱۳

ن सुनेंगे. जिस में बेहते हुवे यश्मे डोंगे. उस में गिये गिये तप्त डोंगे.

وَأَكْوَابٌ مَّوْضُوعَةٌ ۱۴ وَنَمَارِقُ مَصْفُوفَةٌ ۱۵ وَزَرَائِبُ

और तरतीब से रभे हुवे प्याले डोंगे. और सफ़ भ सफ़ रभे हुवे तकिये डोंगे. और झैलाभे हुवे

مَبْنُوتَةٌ ۱۶ أَفَلَا يَنْظُرُونَ إِلَى الْإِبِلِ كَيْفَ خُلِقَتْ ۱۷

इश डोंगे. क्या फिर वो हेभते नहीं हैं गंतों की तरफ़ के कैसे वो पैदा किये गअे?

وَالَى السَّمَاءِ كَيْفَ رُفِعَتْ ۱۸ وَإِلَى الْجِبَالِ كَيْفَ

और आस्मान की तरफ़ के कैसे उसे गिया किया गया? और पडाओं की तरफ़ के कैसे

نُصِبَتْ ۱۹ وَإِلَى الْأَرْضِ كَيْفَ سُطِحَتْ ۲۰ فَذَكِّرْهُ إِنَّهَا

उन्हें गाडा गया? और जमीन की तरफ़ के कैसे उसे बिछाया गया? फिर आप नसीहत कीजिये.

أَنْتَ مُذَكِّرٌ ۲۱ لَسْتَ عَلَيْهِمْ بِمُصَيِّرٍ ۲۲ إِلَّا مَنْ

आप तो सिर्फ़ नसीहत करने वाले हैं. आप उन पर मुसल्लत नहीं किये गअे हैं. मगर वो जिस ने

تَوَلَّى وَكَفَرَ ۲۳ فَيُعَذِّبُهُ اللَّهُ الْعَذَابَ الْأَكْبَرَ ۲۴

मुंह डेरा और कुइ किया, तो अल्लाह उसे बडा अजाब हेगा.

إِنَّ إِلَيْنَا إِيَابَهُمْ ۲۵ ثُمَّ إِنَّ عَلَيْنَا حِسَابَهُمْ ۲۶

यकीनन हमारी तरफ़ उन्हें लौटना हे. फिर हमारे जिम्मे उन का हिसाब लेना हे.

۳۰ آیاتها

(۸۹) سُورَةُ الْفَجْرِ مَكِّيَّةٌ (۱۰)

رُكُوعُهَا ۱

और १ रुकूअ हे

सूरअे इजर मक्का में नाजिल हुइ

उस में ३० आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जे बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला हे

وَالْفَجْرِ ۱ وَلَيَالٍ عَشْرٍ ۲ وَالشَّفْعِ وَالْوَتْرِ ۳ وَالْأَيْلِ

इजर की कसम. दस रातों की कसम. जूइत और ताक की कसम. रात की

إِذَا يَسِرُّهُ ۴ هَلْ فِي ذَلِكَ قَسَمٌ لِذِي حَجْرِهِ ۵ أَلَمْ تَرَ كَيْفَ

कसम जब वो यल रही डो. क्या इस में अकलम-ह के लिये कसम हे? क्या आप ने नहीं हेभा के

فَعَلَ رَبُّكَ بِعَادٍ ۶ إِرْمَ ذَاتِ الْعِمَادِ ۷ الَّتِي لَمْ يُخْلَقْ

आप के रभ ने कौमे आद के साथ कया किया? सुतूनों वाले इरम के साथ कया किया? के उस जैसी कौम

التصنيف

مِثْلَهَا فِي الْبِلَادِ ۙ وَتُؤَدُّ الَّذِينَ جَابُوا الصَّخْرَ بِالْوَادِ ۙ

नहीं पैदा की गई शहरों में. और समूह के साथ क्या किया, जिस ने वादिये (कुरा) में यतानों को तराशा.

وَ فِرْعَوْنَ ذِي الْأَوْتَادِ ۙ الَّذِينَ طَعُوا فِي الْبِلَادِ ۙ

और मेघों वाले फिरऔन के साथ क्या किया? जिन्हों ने शहरों में सर उठाया था.

فَاكْثَرُوا فِيهَا الْفُسَادَ ۙ فَصَبَّ عَلَيْهِمْ رَبُّكَ سَوْطَ

फिर वहां बकसरत इसाद फैलाया. तो उन पर तेरे रब ने अजाब का कोडा

عَذَابٍ ۙ إِنَّ رَبَّكَ لِبِالْإِنْسَانِ

इतकारा. यकीनन तेरा रब अलबता ताक में है. फिर ई-सान के जब उस का रब उस का

إِذَا مَا ابْتَلَاهُ رَبُّهُ فَأَكْرَمَهُ وَنَعَّمَهُ ۖ فَيَقُولُ رَبِّي أَكْرَمَنِ ۙ

ईम्तिखान लेता है, फिर उसे ईज्जत देता है और नेअमते देता है, तो वो केडता है के मुझे मेरे रब ने ईज्जत दी.

وَأَمَّا إِذَا مَا ابْتَلَاهُ فَقَدَرَ عَلَيْهِ رِزْقَهُ ۖ فَيَقُولُ رَبِّي

और जब उसे आजमाता है, फिर उस पर उस की रोजी तंग करता है, तो वो केडता है के मेरे रब ने मेरी

أَهَانَنِ ۙ كَلَّا بَلْ لَّا تُكْرَمُونَ الْيَتِيمَ ۙ وَلَا تَحْضُونَ

ईखानत की. हरगिज नहीं! बल्के तुम ही यतीम की ईज्जत नहीं करते. और भिस्कीन को

عَلَى طَعَامِ الْمُسْكِينِ ۙ وَتَأْكُلُونَ الثَّرَاثَ أَكْلًا لَّمَّا ۙ

भाना देने की तरगीब नहीं देते. और तुम भीरास सारा समेट कर डप कर जाते हो.

وَو تُجْبُونَ الْمَالَ حُبًّا جَمًّا ۙ كَلَّا إِذَا دُكَّتِ الْأَرْضُ دَكًّا

और तुम माल से मडब्बत करते हो बडोत ही जयादा मडब्बत. हरगिज नहीं! जब जमीन कूट कूट कर

دَكًّا ۙ وَجَاءَ رَبُّكَ وَالْمَلَكُ صَفًّا صَفًّا ۙ وَجِئْتُ يَوْمَئِذٍ

नेस्त कर दी जायेगी. और तेरा रब और इरिशते सफ़ ब सफ़ आयेगे. और उस दिन

بِحَهْمِهِ ۖ يَوْمَئِذٍ يَتَذَكَّرُ الْإِنْسَانُ وَأَنَّى لَهُ الذِّكْرَى ۙ

जडन्नम लाई जायेगी. उस दिन ई-सान नसीहत लेगा, लेकिन अब नसीहत लेने का वकत कहां?

يَقُولُ يَلَيْتَنِي قَدَّمْتُ لِحَيَاتِي ۙ فَيَوْمَئِذٍ لَا يُعَذِّبُ

वो कडेगा के ओ काश के मैं ने अपनी ईस जिन्दगी के लिये (नेक अमल) आगे भेजे होते. उस दिन उस के

عَذَابَهُ أَحَدٌ ۙ وَلَا يُوثِقُ وَثَاقَهُ أَحَدٌ ۙ يَا أَيَّتُهَا

अजाब जैसा कोई अजाब न देगा. और न उस की जकड की तरड किसी की जकड होगी. ओ

النَّفْسُ الطَّيِّبَةُ ۝ اَرْجِعِيْ اِلَىٰ رَبِّكَ رَاضِيَةً مَّرْضِيَةً ۝

ઈત્મિનાન વાલી રૂહ! તૂ અપને રબ કી તરફ વાપસ ચલ, તૂ ઉસ સે રાજી ઔર વો તુજ સે રાજી.

فَادْخُلِيْ فِيْ عِبْدِيْ ۝ وَاَدْخُلِيْ جَنَّتِيْ ۝

તૂ મેરે બન્દોં મેં શામિલ હો જા. ઔર મેરી જન્નત મેં દાખિલ હો જા.

رُوعَهَا ١

(٩٠) سُورَةُ الْبَقَرَةِ مَكِّيَّةٌ (٢٨)

آيَاتُهَا ٢٠

और १ रुकूअ है सूअरअे बलद मक्का में नाजिल हुई उस में २० आयतें हैं

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

પણહતા હું અલ્લાહ કા નામ લે કર જો બડા મેહરબાન, નિહાયત રહમ વાલા હે

لَا اُقِیْمُ بِهَذَا الْبَلَدِ ۝ وَاَنْتَ حِلٌّ بِهَذَا الْبَلَدِ ۝

મેં ઈસ શેહર (મક્કા) કી કસમ ખાતા હું ઔર આપ ઈસ શહર મે હલાલ (ન કે મુહરિમ) ઉતરને વાલે હો.

وَ وَاٰلِدٍ وَّمَا وَّلَدٌ ۝ لَقَدْ خَلَقْنَا الْاِنْسَانَ فِيْ كَبَدٍ ۝

બાપ કી કસમ ઔર ઔલાદ કી કસમ! યકીનન હમ ને ઈન્સાન કો મશક્કત મેં પેદા કિયા હે.

اَيَحْسَبُ اَنْ لَّنْ يَّقْدَرَ عَلَيْهِ اَحَدٌ ۝ يَقُوْلُ اَهْلَكْتُ مَالًا

કયા વો યે સમજતા હે કે ઉસ પર કિસી કો કુદરત નહીં હે? વો કેહતા હે કે મેં ને ઢેરોં માલ

لُبْدًا ۝ اَيَحْسَبُ اَنْ لَّمْ يَرَهُ اَحَدٌ ۝ اَلَمْ نَجْعَلْ لَّهٗ

લુટાયા. કયા વો સમજતા હે કે ઉસ કો કિસી ને દેખા નહીં. કયા હમ ને ઉસ કી દો આંખોં

عَيْنَيْنِ ۝ وَّلِسَانًا وَّشَفَتَيْنِ ۝ وَهَدَيْنٰهُ النَّجْدَيْنِ ۝

નહીં બનાઈ? ઔર ઝબાન ઔર દો હોંટ નહીં બનાએ? ઔર હમ ને ઉસે દોનોં રાસ્તે દિખા દિયે.

فَلَا اقْتَحَمَ الْعَقَبَةَ ۝ وَمَا اَدْرٰكَ مَا الْعَقَبَةُ ۝

ફિર વો ઘાટી પર સે નહીં ગુઝરા? ઔર તુમ કયા સમજે કે ઘાટી કયા હે?

فَكُ رَقَبَةً ۝ اَوْ اطْعَمُ فِيْ يَوْمٍ ذِيْ مَسْعَبَةٍ ۝ يَتِيْمًا

ગર્દન કો આઝાદ કરના હે. યા ભૂખ વાલે દિન મેં યતીમ

ذَا مَقْرَبَةٍ ۝ اَوْ مَسْكِيْنَا ذَا مَتْرَبَةٍ ۝ ثُمَّ كَانَ

રિશ્તેદાર કો ખિલાના. યા ખાકનશીન મોહતાજ કો ખાના ખિલાના. ફિર જો ઈમાન વાલોં

مِنَ الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا وَتَوَاصَوْا بِالصَّبْرِ وَتَوَاصَوْا بِالْمَرْحَمَةِ ۝

મેં સે હેં ઔર જિન્હોં ને સબ્ર કી એક દૂસરે કો ફેહમાઈશ કી ઔર રહમ કરને કી એક દૂસરે કો તલ્કીન કી,

أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ الْمَيْمَنَةِ ۝ وَالَّذِينَ كَفَرُوا بِآيَاتِنَا

ये दाईं जानिब वाले हैं. और जिन्होंने हमारे आयात के साथ कुंफ़ किया।

هُم أَصْحَابُ الشَّئْتَةِ ۝ عَلَيْهِمْ نَارٌ مُّوَصَّدَةٌ ۝

ये बाईं जानिब वाले हैं. उन के ऊपर से आग बन्द कर दी गई है..

أَيَّاهَا ۱۵ (۹۱) سُورَةُ الشَّمْسِ مَكِّيَّةٌ (۳۶) رُوعَهَا ۱

और १ रुकूअ है सूरअे शम्स मक्का में नाजिल हुई उस में १५ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

وَالشَّمْسِ وَضُحَاهَا ۝ وَالْقَمَرِ إِذَا تَلَّهَا ۝ وَالنَّهَارِ

सूरज और उस के यण्डने की कसम. यांढ की कसम जब वो उस के पीछे आये. दिन की कसम जब वो

إِذَا جَلَّهَا ۝ وَاللَّيْلِ إِذَا يَغْشَاهَا ۝ وَالسَّيَاءِ

सूरज को रोशन करे. रात की कसम जब वो उस को छुपा ले. आस्मान की कसम और उस के बनाने

وَمَا بَنَاهَا ۝ وَالْأَرْضِ وَمَا طَحَّهَا ۝ وَنَفْسٍ وَمَا سَوَّاهَا ۝

वाले की कसम. जमीन की कसम और उस के बिछाने वाले की कसम. नफ़्स की कसम और उस को दुरुस्त बनाने वाले की कसम.

فَاللَّهِمَا فُجُورَهَا ۝ وَتَقْوَاهَا ۝ قَدْ أَفْلَحَ مَنْ زَكَّاهَا ۝

झिरे उसी ने उस को उस की ढटाई और उस के तकवे का ँल्लखाम किया. यकीनन वो शम्स का म्याब है जिस ने उस (नफ़्स) का

وَقَدْ خَابَ مَنْ دَسَّاهَا ۝ كَذَّبَتْ ثَمُودُ بِطَغْوَاهَا ۝

तलकिया किया. और नाकाम है वो जिस ने उस को भराब किया. कौमे समूह ने अपनी सरकशी की वजह से जूठलाया. जब

إِذِ انبَعَثَ أَشْقَاهَا ۝ فَقَالَ لَهُمْ رَسُولُ اللَّهِ نَاقَةَ

उन में से बडा बहबन्त ँन्सान उठा. उन से अल्लाह के पैगम्बर (सालेह अलैडिस्सलाम) ने झरमाया के तुम अल्लाह

اللَّهِ وَ سُقِيَاهَا ۝ فَكَذَّبُوهُ فَعَقَرُوهَا ۝ فَدمدم

की उांटनी से और उस के पीने की बारी से डरो. लेकिन उनको ने सालेह (अलैडिस्सलाम) को जूठलाया, झिरे उनको ने उांटनी के पैर

عَلَيْهِمْ رَبَّهُمْ بِدَنبِهِمْ فَسَوَّاهَا ۝ وَلَا يَخَافُ

कट दिये. तो उन पर उन के रब ने उन के गुनाह की वजह से अज्राब भेज दिया, झिरे उन को भराब कर दिया. अल्लाह को

عُقِبَها ۝

उन के अन्जाम का डर नहीं था.

<p>رُؤُوعَهَا ۱ اور ۹ رُکُوع ہے</p>	<p>(۹۲) سُورَةُ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ (۹) سूरअे लयूल मकका में नाजिल हुँए</p>	<p>آیَاتهَا ۲۱ उस में २१ आयतें हैं</p>
<p>بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ पणुता हुं अल्लाड का नाम ले कर जो बडा मेडरबान, निडायत रडम वाला है</p>		
<p>وَاللَّیْلِ إِذَا یَغْشَىٰ ۝ وَالنَّهَارِ إِذَا تَجَلَّىٰ ۝ وَمَا خَلَقَ रात की कसम जब वो षा जाअे. दिन की कसम जब वो रोशन डो जाअे. नर और मादा को पैदा करने</p>		
<p>الدَّكَّرَ وَالْأُنثَىٰ ۝ إِنَّ سَعِیْمَكُمْ لَشَتَّىٰ ۝ فَأَمَّا مَنْ أَعْطَىٰ वाले की कसम. भेशक तुम्डारी कोशिश अलबत्ता अलग अलग है. फिर जिस ने दिया और तकवा</p>		
<p>وَاتَّقَىٰ ۝ وَصَدَّقَ بِالْحُسْنَىٰ ۝ فَسَنِیْسِرُهُ لِّلْیُسْرَىٰ ۝ षप्तियार किया, और अखी भात की तस्दीक की, तो डम उस के लिये आसानी वाला घर आसान कर देंगे.</p>		
<p>وَأَمَّا مَنْ بَخِلَ وَاسْتَغْنَىٰ ۝ وَكَذَّبَ بِالْحُسْنَىٰ ۝ فَسَنِیْسِرُهُ और जिस ने न दिया और जो बेपरवाद रडा, और अखी भात को जुठलाया, तो डम आसानी से सप्ती के</p>		
<p>لِّلْعُسْرَىٰ ۝ وَمَا یُعْنَىٰ عَنْهُ مَالُهُ إِذَا تَرَدَّىٰ ۝ घर में उस को पडोया देंगे. और उस के कुँड काम नहीं आअेगा उस का माल जब वो (गणडे में) गिरेगा.</p>		
<p>إِنَّ عَلَیْنَا لَلْهُدَىٰ ۝ وَإِنَّ لَنَا لَلْآخِرَةَ وَالْأُولَىٰ ۝ डमारे जिम्मे अलबत्ता रास्ता दिभा देना है. और डमारे डी डथ आभिरत और दुन्या है.</p>		
<p>فَأَنْذَرْتُكُمْ نَارًا تَلَظَّىٰ ۝ لَا یَصْلَهَا إِلَّا الْأَشْقَىٰ ۝ फिर में ने तुम्डे भडकती हुँए आग से डराया है. उस में वडी बडा बडबप्त दाभिल डोगा,</p>		
<p>الَّذِی كَذَّبَ وَتَوَلَّىٰ ۝ وَسَيُجَنَّبُهَا الْأَتْقَىٰ ۝ الَّذِی जिस ने जुठलाया और औराड किया. और उस से दूर रभा जाअेगा वो बडा मुत्तकी, जो</p>		
<p>یُؤْتِي مَالَهُ یَتَزَكَّىٰ ۝ وَمَا لِأَحَدٍ عِنْدَهُ तजकिये के लिये अपना माल देता है. और किसी का उस पर अडसान नहीं जिस का</p>		
<p>مِنْ نَّعْمَةٍ تُجْزَىٰ ۝ إِلَّا ابْتِغَاءَ وَجْهِ رَبِّهِ الْأَعْلَىٰ ۝ बडला उतारा जाअे. मगर उस के बुलन्दतरिन रब की रजा तलब करने के लिये.</p>		
<p>وَلَسَوْفَ یَرْضَىٰ ۝ और बडोत जल्ल वो राजी डोगा.</p>		

۴۶-

رُوعَهَا ۱ اور ۱ رُوعَهَا ۱	(۹۳) سُوْرَةُ الصُّحُفِ (مَكِّيَّةٌ) (۱۱) سورہ صُحُفِ مَكِّیَّہ (۱۱)	اَيَّهَا ۱۱ اس میں ۱۱ آیات ہیں
بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ پڑھتا ہوں اے اللہ کا نام لے کر جو بڑا مہربان، نڈایا رھم والا ہے		
وَالصُّحٰی ۱۱ وَاللَّیْلِ اِذَا سَجٰی ۲ مَا وَدَّعَاكَ رَبُّكَ وَمَا قَلٰی ۳ رات کے وقت کئی کسبم۔ رات کئی کسبم جب وہ تاریک ہو جائے۔ کہ آپ کے رتبہ نے آپ کو نہ ڈرا ہے اور نہ آپ سے ڈشامنی		
وَلَلْاٰخِرَةُ خَيْرٌ لَّكَ مِنَ الْاُولٰی ۴ وَّلَسَوْفَ یُعْطِیْكَ رَبُّكَ ۵ کئی ہے۔ اور اہلبناتا آہیرت پہلوی والی (دنیا) سے آپ کے لیے بہتر ہے۔ اور اڑر آپ کا رتبہ آگے آپ کو دےگا،		
فَرَضٰی ۶ اَلَمْ یَجِدْكَ یَتِیْمًا فَاوٰی ۷ وَ وَجَدَكَ ضَالًّا ۸ کہ آپ رازی ہو جائوگے۔ کیا آپ کو اس نے یتیم نہ لیا پایا کہ کیر کیکنا دیا؟ اور آپ کو بہنہر پایا،		
فَهَدٰی ۹ وَ وَجَدَكَ عَابِلًا ۱۰ فَاغْنٰی ۱۱ فَاَمَّا الْیَتِیْمَ ۱۲ کیر اس نے راد دیا۔ اور آپ کو مڈلیرس پایا، کیر آپ کو گنی کر دیا۔ اس لیے آپ کیری یتیم پر		
فَلَا تَقْرَبُہٗ ۱۳ وَاَمَّا السَّآئِلَ فَلَا تَنْهَرْہٗ ۱۴ وَاَمَّا بِنِعْمَةِ رَبِّكَ فَحَدِّثْ ۱۵ سہتی نہ کیرجیے۔ اور کیری سواہل کرنے والے کو نہ جیڑکے۔ اور اہلبناتا آپ اپنے رتبہ کی نہمات کو ہیان کیرجیے۔		
رُوعَهَا ۱ اور ۱ رُوعَهَا ۱	(۹۴) سُوْرَةُ الْاِنْشِخَاحِ (مَكِّيَّةٌ) (۱۲) سورہ اِنْشِخَاحِ مَكِّیَّہ (۱۲)	اَيَّهَا ۸ اس میں ۸ آیات ہیں
بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ پڑھتا ہوں اے اللہ کا نام لے کر جو بڑا مہربان، نڈایا رھم والا ہے		
اَلَمْ نَشْرَحْ لَكَ صَدْرَكَ ۱ وَ وَوَضَعْنَا عَنَّاكَ وَنَزَرَكَ ۲ کیا ہم نے آپ کے سینه کو ہول نہ لیا؟ اور ہم نے آپ کے ہپر سے آپ کا ہوج ہتار دیا۔		
الَّذِیْ اَنْقَضَ ظَهْرَكَ ۳ وَ رَفَعْنَا لَكَ ذِكْرَكَ ۴ جس نے آپ کی کمر توڑ رہی تھی۔ اور ہم نے آپ کے ہاتیر آپ کا کیک ہولنہ کیا۔		
فَاِنَّ مَعَ الْعُسْرِ يُسْرًا ۵ اِنَّ مَعَ الْعُسْرِ يُسْرًا ۶ کیر ہشک سہتی کے ساہ آسانی ہے۔ ہشک سہتی کے ساہ آسانی ہے۔		
فَاِذَا فَرَغْتَ فَانصَبْ ۷ وَاِلٰی رَبِّكَ فَارْعَبْ ۸ کیر جب آپ کیررگ ہوں، تو اڈاا مہنات کیرجیے۔ اور اپنے رتبہ کی ترک رگہت کیرجیے۔		

<p>رُكُوعُهَا ١ اور ٩ رُكُوعُهَا ١</p>	<p>(٩٥) سُورَةُ التَّيْنِ مَكِّيَّةٌ (٢٨) سूरअे तीन मक्का में नाजिल हुई</p>	<p>آيَاتُهَا ٨ उस में ८ आयतें हैं</p>
<p>بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है</p>		
<p>وَالتَّيْنِ وَالزَّيْتُونِ ۝ وَطُورِ سَيْنِينَ ۝ وَهَذَا الْبَلَدِ अन्जर की कसम. जैतून की कसम. तूरे सीना की कसम. इस अमन वाले शहर (मक्का)</p>		
<p>الْأَمِينِ ۝ لَقَدْ خَلَقْنَا الْإِنْسَانَ فِي أَحْسَنِ تَقْوِيمٍ ۝ की कसम. यकीनन उम ने ई-सान को बेहतरीन सूरत में पैदा किया है.</p>		
<p>ثُمَّ رَدَدْنَاهُ أَسْفَلَ سَافِلِينَ ۝ إِلَّا الَّذِينَ آمَنُوا फिर उम ने उस को ड़ेक दिया नीयों के नीचे में. मगर वो जो ईमान लाअे और</p>		
<p>وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ فَلَهُمْ أَجْرٌ غَيْرُ مَمْنُونٍ ۝ فَمَا يُكَذِّبُكَ नेक अमल करते रहे उन के लिये औसा अजर डोगा जो भत्म नहीं डोगा. फिर कौन सी चीज इस के</p>		
<p>١٥</p>	<p>بَعْدُ بِالذِّينِ ۝ أَلَيْسَ اللَّهُ بِأَحْكَمَ الْحَاكِمِينَ ۝ बाद तुजे हिसाब के जुडलाने पर आमादा करती है? क्या अल्लाह अडकमुल डाकिमीन नहीं है?</p>	
<p>رُكُوعُهَا ١ اور १ रُكُوعُهَا १</p>	<p>(٩٦) سُورَةُ الْعَلَقِ مَكِّيَّةٌ (١) सूरअे अलक मक्का में नाजिल हुई</p>	<p>آيَاتُهَا ١٩ उस में १९ आयतें हैं</p>
<p>بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है</p>		
<p>اقْرَأْ بِاسْمِ رَبِّكَ الَّذِي خَلَقَ ۝ خَلَقَ الْإِنْسَانَ आप अपने रब का नाम ले कर पण्डये जिस ने (मण्डूक) बनाई. ई-सान को बनाया जमे हुवे</p>		
<p>مِنْ عَلَقٍ ۝ اقْرَأْ وَرَبُّكَ الْأَكْرَمُ ۝ الَّذِي عَلَّمَ بِالْقَلَمِ ۝ भून से. आप पण्डये और आप का रब सब से करीम है. जिस ने कलम के जरिये ईल्म दिया.</p>		
<p>عَلَّمَ الْإِنْسَانَ مَا لَمْ يَعْلَمْ ۝ كَلَّا إِنَّ الْإِنْسَانَ لِرَبِّهِ لَكَنَّاظِرٌ ۝ ई-सान को वो ईल्म दिया जो वो जानता नहीं था. हरगिज नहीं! यकीनन ई-सान अलभता सरकशी करता है.</p>		
<p>أَن رَّأَاهُ اسْتَغْنَى ۝ إِنَّ إِلَىٰ رَبِّكَ الرَّجْعَى ۝ أَرَأَيْتَ الَّذِي इस वजह से के वो दभता है के वो मुस्तगनी है. यकीनन तेरे रब की तरई लौटना है. क्या आप ने देखा</p>		

يَنْهَى ١٠ عَبْدًا إِذَا صَلَّى ١٠ أَرَعَيْتَ إِنْ كَانَ

उस शप्स को जो रोकता है. बन्दे को जब वो नमाज पढता है? क्या आप ने देभा के अगर वो

عَلَى الْهُدَى ١١ أَوْ أَمَرَ بِالتَّقْوَى ١١ أَرَعَيْتَ إِنْ كَذَبَ وَتَوَلَّى ١١

छिदायत पर है, या तकवे का हुकम देता है? क्या आप ने देभा अगर वो जुठलाता है और औराज करता है?

أَلَمْ يَعْلَمْ بِأَنَّ اللَّهَ يَرَى ١٢ كَلَّا لَئِنْ لَمْ يَنْتَهَ هَ لَسَفَعًا

क्या वो नहीं जानता के यकीनन अल्लाह देभ रखा है? कोठ भात नहीं! अगर वो भाज नहीं आयेगा, तो उम उसे पेशानी

بِالتَّاصِيَةِ ١٥ نَاصِيَةٍ كَازِبَةٍ خَاطِئَةٍ ١٥ فَلْيَدْعُ نَادِيَهُ ١٥

के बाल पकड कर घसीठो. पताकर पूछी पेशानी के बाल पकड कर घसीठो. फिर उसे याडिये के अपनी मजलिस वालो को पुकारे उम

سَدْعُ الرِّبَانِيَةِ ١٨ كَلَّا لَا تَطِعُهُ وَاسْجُدْ وَاقْتَرِبْ ١٩

भी जभानिया इरिशतो को बुला लेते है उरगिज नहीं! आप उस क्र केडना न मानिये और सजद कीजिये और अल्लाह से करीब हो जाईये

١٩ رُكُوعًا ١ (٩٤) سُورَةُ الْقَدْرِ مَكِّيَّةٌ (٢٥) ٥ آيَاتُهَا

और १ रुकूअ है सूरे अे कद्र मक्का में नाजिल हुई उस में ५ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

إِنَّا أَنْزَلْنَاهُ فِي لَيْلَةِ الْقَدْرِ ١ وَمَا أَدْرَاكَ مَا لَيْلَةُ الْقَدْرِ ٢

यकीनन उम ने उसे लयलतुल कद्र में नाजिल किया. और आप को मालूम भी है के लयलतुल कद्र क्या है?

لَيْلَةُ الْقَدْرِ خَيْرٌ مِّنْ أَلْفِ شَهْرٍ ٣ تَنْزِيلُ الْمَلَكِ وَالرُّوحِ

लयलतुल कद्र उजार मडीनों से बेउतर है. इरिशते और इह उस में अपने रब की ईजाजत से उर थीज

فِيهَا يَأْذِنُ رَوْحٌ مِّنْ كُلِّ أَمْرٍ ٧ سَلَامٌ هِيَ حَتَّىٰ مَطَافِ الْفَجْرِ ٨

के मुतअद्लिक हुकम ले कर उतरते हैं. इजर के तुलूअ होने तक सलामती रेहती है.

٨ آيَاتُهَا ٨ (٩٨) سُورَةُ الْبَيْتَةِ مَكِّيَّةٌ (١٠٠) ١ رُكُوعًا ١

और १ रुकूअ है सूरे अयिनह मदीना में नाजिल हुई उस में ८ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

لَمْ يَكُنِ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ وَالْمُشْرِكِينَ مُنْفِكِينَ

जो लोग अेडले किताब में से काफिर हैं और मुशरिकीन वो भाज आने वाले नहीं थे यहां तक के

السورة ١٣

مَنْزِلَةُ الْقَدْرِ ١٣
عَمَّ التَّائِيَةِ ١٣

حَتَّى تَأْتِيَهُمُ الْبَيِّنَةُ ۚ رَسُولٌ مِّنَ اللَّهِ يَتْلُوا صُحُفًا مُّطَهَّرَةً ۝

उन के पास रोशन दलील आ जाये. (यानी) अल्लाह के पैगम्बर जो पाक सहीफों की तिलावत करते हैं.

فِيهَا كُتِبَ قِيمَةٌ ۝ وَمَا تَفَرَّقَ الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ

जिन में मजबूत किताबें हैं. और जिन को किताब दी गई वो अलग अलग फिरके नहीं हुवे

إِلَّا مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَتْهُمْ الْبَيِّنَةُ ۝ وَمَا أُمِرُوا

मगर इस के बाद के उन के पास रोशन दलील आई. हालांकि उन को हुकम नहीं था

إِلَّا لِيَعْبُدُوا اللَّهَ مُخْلِصِينَ لَهُ الدِّينَ ۚ حُنَفَاءَ وَيُقِيمُوا

मगर यही के वो ईबादत करे अल्लाह की, उसी के लिये ईबादत को पालिस रखते हुवे, सब तरफ से अके ही के

الصَّلَاةَ وَيُؤْتُوا الزَّكَاةَ وَذَلِكَ دِينُ الْقِيَمَةِ ۝ إِنَّ الَّذِينَ

डो कर और नमाज काईम करे और जकात दे और यही सीधा दीन है. बेशक जो लोग

كَفَرُوا مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ وَالشُّرَكِيِّنَ فِي نَارِ جَهَنَّمَ خَالِدِينَ

काफिर हुवे अउले किताब में से और मुशरिकीन वो जहन्नम की आग में हमेशा

فِيهَا ۚ أُولَٰئِكَ هُمْ شَرُّ الْبَرِيَّةِ ۝ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا

रहेंगे. यही लोग तमाम मजबूत में सब से बहतरे हैं. यकीनन जो लोग ईमान लाये और नेक अमल

الصَّالِحَاتِ ۚ أُولَٰئِكَ هُمْ خَيْرُ الْبَرِيَّةِ ۝ جَزَاءُ هُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ

करते रहे, यही तमाम मजबूत में सब से बेहतरे हैं. उन का बदला उन के रब के पास

بِحَسْبِ عَدْنٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا ۚ

जन्नाते अहन हैं, जिन के नीचे से नहरें बहतती होंगी जिन में वो हमेशा रहेंगे.

رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمْ وَرَضُوا عَنْهُ ۚ ذَلِكَ لِمَنِ حَشِيَ رَبُّهُ ۝

अल्लाह उन से राजी हुवा और वो अल्लाह से राजी हुवे. ये उस शप्स के लिये है जो अपने रब से डरे.

رُكُوعَهَا ۱

(११) سُورَةُ الزُّرَّارِ الْمَدَنِيَّةِ (۹۳)

آيَاتُهَا ۸

और १ रुकूअ है

सूरअे जिलजाल मदीना में नाजिल हुई

उस में ८ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

إِذَا زُلْزِلَتِ الْأَرْضُ زِلْزَالَهَا ۝ وَأَخْرَجَتِ الْأَرْضُ

जब जमीन सप्त जलजले से डिला दी जायेगी. और जमीन अपने बोज

أَثْقَالَهَا ۝ وَقَالَ الْإِنْسَانُ مَا لَهَا ۝ يَوْمَئِذٍ تُحَدِّثُ

निकाल देगी. और ई-सान कहेगा के अभीन को क्या हुआ? उस दिन अभीन अपनी बभरें बयान

أَخْبَارَهَا ۝ بِأَنَّ رَبَّكَ أَوْحَىٰ لَهَا ۝ يَوْمَئِذٍ يَصْدُرُ النَّاسُ

कर देगी. ईस वजह से के तेरे रब ने उस को हुकम दिया है. उस दिन ई-सान वापस लौटेंगे

أَشْتَاتًا ۝ لِّيُرَوْا أَعْمَالَهُمْ ۝ فَمَنْ يَعْمَلْ مِثْقَالَ ذَرَّةٍ

भुत्तलिक जभाअते बन कर ताके वो अपने अमल (के नताईज) देवे. फिर जो अर्रा भर ललाई करेगा

حَيْرًا يَّرَىٰ ۝ وَمَنْ يَعْمَلْ مِثْقَالَ ذَرَّةٍ شَرًّا يَّرَىٰ ۝

तो उसे देवेगा. और जो अर्रा भर बुराई करेगा तो उसे देवेगा.

الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

और १ रुकूअ है सूराअ आदियात मक्का में नाजिल हुई उस में ११ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

وَالْعَدِيَّتِ صُبْحًا ۝ فَأَلْمُورِيَّتِ قَدْحًا ۝ فَأَلْبُعِيَّتِ

आंपते हुवे दौडने वाले घोडों की कसम. फिर उन घोडों की कसम जो टाप मार कर आग निकालने वाले हैं. फिर उन घोडों

صُبْحًا ۝ فَاتَّرْنَ بِهِ نَقْعًا ۝ فَوَسَطْنَ بِهِ جَمْعًا ۝

की कसम जो सुब्ह के वक्त (दुशमन पर) हमला करने वाले हैं. फिर उस वक्त गुबार उडाने वाले हैं. फिर वो

إِنَّ الْإِنْسَانَ لِرَبِّهِ لَكَنُودٌ ۝ وَإِنَّهُ

कौज में घुस जाते हैं. बेशक ई-सान अपने रब का नाशुकरा है. और वो भुद

عَلَىٰ ذٰلِكَ لَشٰهِيْدٌ ۝ وَإِنَّهُ لِحُبِّ الْخَيْرِ لَشَدِيْدٌ ۝

उस पर भुत्तलिया है. और वो माल की महब्बत में अलबत्ता बडा सप्त है.

أَفَلَا يَعْلَمُ إِذَا بُعْثِرَ مَا فِي الْقُبُورِ ۝ وَحُصِّلَ

क्या वो नहीं जानता के जब उढाया जायेगा जो कब्रों में है. और आडिर कर दिया

مَا فِي الصُّدُورِ ۝ إِنَّ رَبَّهُم بِهِمْ يَوْمَئِذٍ

जायेगा जो कुछ सीनों में है. बेशक उन का रब उस दिन उन से

لَخَبِيرٌ ۝

बाबबर है.

۱۰۱

۱۰۲

رُؤُوعَهَا ١	(١٠١) سُورَةُ الْقَارِعَةِ مَكِّيَّةٌ (٣٠)	آيَاتُهَا ١١
और १ रुकूअ है	सूरअे कारिअड मक्का में नाजिल हुँ	उस में ११ आयतें हैं
<p>بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ</p> <p>पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है</p>		
<p>الْقَارِعَةُ ۝ مَا الْقَارِعَةُ ۝ وَمَا أَدْرَاكَ مَا الْقَارِعَةُ ۝</p> <p>भडभडाने वाली. क्या है भडभडाने वाली? और आप को मालूम भी है के भडभडाने वाली क्या है?</p>		
<p>يَوْمَ يَكُونُ النَّاسُ كَالْفَرَاشِ الْمَبْثُوثِ ۝ وَتَكُونُ</p> <p>जिस दिन ई-सान बिपरे हुवे परवानों की तरह डो जाअेंगे. और पडड</p>		
<p>الْجِبَالُ كَالْعِهْنِ الْمَنْفُوشِ ۝ فَأَمَّا مَنْ ثَقُلَتْ مَوَازِينُهُ ۝</p> <p>धुने हुवे रंगीन डिन की तरह डो जाअेंगे. फिर जिस के पलणे भारी डोंगे,</p>		
<p>فَهُوَ فِي عِيشَةٍ رَاضِيَةٍ ۝ وَأَمَّا مَنْ خَفَّتْ مَوَازِينُهُ ۝</p> <p>तो वो भुशगवार तिन-दगी में डोगा. और जिस के पलणे डडके डोंगे,</p>		
- ١٠١ -	<p>فَأَمَّهُ هَآوِيَةٌ ۝ وَمَا أَدْرَاكَ مَا هِيَهٗ ۝ نَارٌ حَامِيَةٌ ۝</p> <p>तो उस का ठिकाना डाविया है. और आप को मालूम है के वो क्या है? डेडेकती आग है.</p>	
رُؤُوعَهَا ١	(١٠٢) سُورَةُ التَّكْوِيْنِ مَكِّيَّةٌ (١٧)	آيَاتُهَا ٨
और १ रुकूअ है	सूरअे तकासुर मक्का में नाजिल हुँ	उस में ८ आयतें हैं
<p>بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ</p> <p>पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है</p>		
<p>الْهٰكُمُ التَّكٰثُرُ ۝ حَتّٰى زُرْتُمُ الْبِقَابِ ۝ كَلَّا سَوْفَ</p> <p>अेक दूसरे पर (दुन्या के अरिये) भाजी ले जाने की डिस ने तुम्हे गाडिल रभा. यडं तक के तुम कअस्तान पडेर्य जाते</p>		
<p>تَعْلَمُونَ ۝ ثُمَّ كَلَّا سَوْفَ تَعْلَمُونَ ۝ كَلَّا لَوْ تَعْلَمُونَ</p> <p>डो. कोई बात नडी! आगे तुम्हे मालूम डोगा. फिर कोई बात नडी! आगे तुम्हे मालूम डोगा. कोई बात नडी! अगर</p>		
<p>عِلْمَ الْيَقِيْنِ ۝ لَتَرَوُنَّ الْجَحِيْمَ ۝ ثُمَّ لَتَرَوُنَّهَا</p> <p>तुम जानते ईल्मुल यकीन के तौर पर (तो ऐसा न करते), तुम अउर दोअभ को डेभोगे. फिर तुम अउर उस को</p>		
- ١٠٢ -	<p>عَيْنَ الْيَقِيْنِ ۝ ثُمَّ لَتَسْأَلَنَّ يَوْمَئِذٍ عَنِ النَّعِيْمِ ۝</p> <p>यकीन की आंभ के साथ डेभोगे. फिर तुम से उस दिन नेअमतों के मुतअद्लिक अउर सवाल डोगा.</p>	

<p>رُوعَهَا ١ और १ रुकूअ है</p>	<p>(١٠٣) سُورَةُ الْعَصْرِ مَكِّيَّةٌ (١٣) सूरअे अरर मक्का में नाजिल हुँ</p>	<p>آيَاتُهَا ٣ उस में ३ आयतें हैं</p>
<p>بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रडम वाला है</p>		
<p>وَالْعَصْرِ ۝ إِنَّ الْإِنْسَانَ لَفِي خُسْرٍ ۝ إِلَّا الَّذِينَ آمَنُوا जमाने की कसम. बेशक ई-सान बसारे में है. मगर वो लोग जो ईमान लाअे</p>		
<p>وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ وَتَوَّصُوا بِالحَقِّ ۝ وَتَوَّصُوا بِالصَّبْرِ ۝ और नेक अमल करते रहे और डक की अेक दूसरे को तडकीन की और अेक दूसरे को सभ्र की तडकीन की.</p>		
<p>رُوعَهَا ١ और १ रुकूअ है</p>	<p>(١٠٣) سُورَةُ الْهُمَزَةِ مَكِّيَّةٌ (٣٢) सूरअे हुमजड मक्का में नाजिल हुँ</p>	<p>آيَاتُهَا ٩ उस में ९ आयतें हैं</p>
<p>بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रडम वाला है</p>		
<p>وَيْلٌ لِّكُلِّ هُمَزَةٍ لُّمَزَةٍ ۝ الَّذِي جَمَعَ مَالًا وَعَدَّدَهُ ۝ يَحْسَبُ डलाकत है डर पीठ पीछे अैब निकालने वाले के लिये, ताना देने वाले के लिये. जिस ने माल जमा किया और उस को</p>		
<p>أَنَّ مَالَهُ أَخْلَدَهُ ۝ كَلَّا لَيُنْبَذَنَّ فِي الْحُطْبَةِ ۝ गिन गिन कर रभा. वो समजता है के उस का माल उसे डभेशा जिन्दा रभेगा. डरगिज नडीं! जडर उसे हुतमड</p>		
<p>وَمَا أَدْرَاكَ مَا الْحُطْبَةُ ۝ نَارُ اللَّهِ الْمُوقَدَةُ ۝ الَّتِي تَطَّلِعُ मेंडेक दिया जाअेगा. और आप को मालूम ली है के हुतमड क्या है? अल्लाह की तडकई हुँ आग है. जो दिलों को</p>		
<p>عَلَى الْإِفْدَةِ ۝ إِنَّهَا عَلَيْهِمْ مُّوَصَّدَةٌ ۝ فِي عَمَدٍ مُّمدَدَةٍ ۝ जंक लेती है. बेशक वो डोजभ (हुतमड) उन को लभे सुतूनो में बांध कर डपर से बन्द कर दी जाअेगी.</p>		
<p>رُوعَهَا ١ और १ रुकूअ है</p>	<p>(١٠٥) سُورَةُ الْفِيلِ مَكِّيَّةٌ (١٩) सूरअे डील मक्का में नाजिल हुँ</p>	<p>آيَاتُهَا ٥ उस में ५ आयतें हैं</p>
<p>بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रडम वाला है</p>		
<p>أَلَمْ تَرَ كَيْفَ فَعَلَ رَبُّكَ بِأَصْحَابِ الْفِيلِ ۝ أَلَمْ يَجْعَلْ क्या आप ने नडीं डेभा के आप के रभ ने डाथी वालों के साथ क्या किया? क्या उन का</p>		

١٤

١٤

كَيْدَهُمْ فِي تَضْلِيلٍ ۚ وَارْسَلْ عَلَيْهِمْ طَيْرًا اَبَابِيلَ ۙ

मकर नाकाम नहीं कर दिया? और उन पर जूँ के जूँ परिन्दे भेजे.

تَرْمِيمِهِمْ بِمَجَارِثٍ مِّنْ سِجِّيلٍ ۚ فَجَعَلَهُمْ كَعَصْفٍ مَّأْمُولٍ ۙ

जो उन पर कंकर की पथरियां डेंकते थे. फिर अल्लाह ने उन को भाए हुवे भूसे की तरह बना दिया.

اَيَّاهَا ۴ (۱۰۶) سُورَةُ الْفُرْيَشِ مَكِّيَّةٌ (۲۹) كُوْعُهَا ۱

उस में ४ आयतें हैं और १ रुकूअ है सूरे अ फुरैश मक्का में नाजिल हुँ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

لِيَلْفِ قُرَيْشٍ ۙ الْفِهُمِ رِحْلَةَ الشِّتَاءِ وَالصَّيْفِ ۙ

कुरैश की उल्फत की वजह से. उन के गरमी और सरदी के सफर से उल्फत की वजह से.

فَلْيَعْبُدُوا رَبَّ هَذَا الْبَيْتِ ۙ الَّذِي اَطَعَهُمْ

फिर उन्हें यादिये के इस घर के मालिक की ईबादत करें. जिस ने उन्हें भूष में

مِّنْ جُوعٍ ۙ وَآمَنَهُمْ مِّنْ خَوْفٍ ۙ

भाना दिया और जिस ने उन्हें भौंक से अमन दिया.

اَيَّاهَا ۷ (۱۰۷) سُورَةُ الْمَاعُونِ مَكِّيَّةٌ (۱۴) كُوْعُهَا ۱

उस में ७ आयतें हैं और १ रुकूअ है सूरे माउिन मक्का में नाजिल हुँ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

اَرَعَيْتَ الَّذِي يُكَذِّبُ بِالْاٰیٰتِ ۙ فَذٰلِكَ الَّذِي يُدْعُ

क्या आप ने देभा उस शप्स को जो ई-साइ होने को जूठलाता है? फिर ये वही है जो यतीम को धक्के

الْبَيْتِ ۙ وَلَا يَحْضُ عَلَىٰ طَعَامِ الْمِسْكِيْنَ ۙ فَوَيْلٌ

देता है. और मिसकीन को भाना देने की तरगीब नहीं देता. फिर उलाकत है

لِّلْمُصَلِّيْنَ ۙ الَّذِيْنَ هُمْ عَنْ صَلَاتِهِمْ سَاهُوْنَ ۙ

उन नमाजियों के लिये. जो अपनी नमाज को भूल जाते हैं.

الَّذِيْنَ هُمْ يُرْءَاوُنَ ۙ وَيَسْعَوْنَ الْمَاعُوْنَ ۙ

जो दिभावा करते हैं. और मामूली चीज को भी मना करते हैं.

<p>رُكُوعًا ۱ اور ۱ رُکُوع ہے</p>	<p>(۱۰۸) سُورَةُ الْكَوْثُرِ الْمَكِّيَّةُ (۱۵) سूरअे कौसर मक्का में नाजिल हुई</p>	<p>آيَاتِهَا ۳ उस में 3 आयतें हैं</p>
<p>بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है</p>		
<p>إِنَّا أَعْطَيْنَاكَ الْكَوْثَرَ ۝ فَصَلِّ لِرَبِّكَ وَانْحَرْ ۝ बेशक हम ने आप को कौसर अता की. इस लिये आप अपने रब के लिये नमाज पण्डिये और कुर्बानी</p>		
<p>إِنَّ شَانِئَكَ هُوَ الْأَبْتَرُ ۝ कीजिये. यकीनन आप का दुशमन वही हम कटा है.</p>		
<p>رُكُوعًا ۱ اور १ रُکُوع ہے</p>	<p>(۱۰۹) سُورَةُ الْكَافِرُونَ الْمَكِّيَّةُ (۱۸) सूरअे काफिरून मक्का में नाजिल हुई</p>	<p>آيَاتِهَا ۶ उस में 6 आयतें हैं</p>
<p>بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है</p>		
<p>قُلْ يَا أَيُّهَا الْكَافِرُونَ ۝ لَا أَعْبُدُ مَا تَعْبُدُونَ ۝ आप इरमा दीजिये अे काफ़िरो! मैं ँभाहत नहीं करता उस की जिस की तुम ँभाहत करते हो. और न तुम</p>		
<p>وَلَا أَنْتُمْ عِبَادُونَ مَا أَعْبُدُ ۝ وَلَا أَنَا عَابِدٌ مَّا عَبَدْتُمْ ۝ ँभाहत करते हो उस की जिस की मैं ँभाहत करता हुं और न मैं ँभाहत करने वाला हुं उस की जिस की तुम ँभाहत करते हो.</p>		
<p>وَلَا أَنْتُمْ عِبَادُونَ مَا أَعْبُدُ ۝ لَكُمْ دِينُكُمْ وَلِيَ دِينِ ۝ और न तुम ँभाहत करने वाले हो उस की जिस की मैं ँभाहत करता हुं तुम्हारे लिये तुम्हारा दीन है और मेरे लिये मेरा दीन है.</p>		
<p>رُكُوعًا ۱ اور १ रُکُوع ہے</p>	<p>(۱۱۰) سُورَةُ النَّصْرِ الْمَدَنِيَّةُ (۱۳) सूरअे नसर मदीना में नाजिल हुई</p>	<p>آيَاتِهَا ۳ उस में 3 आयतें हैं</p>
<p>بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है</p>		
<p>إِذَا جَاءَ نَصْرُ اللَّهِ وَالْفَتْحُ ۝ وَرَأَيْتَ النَّاسَ जब अल्लाह की नुस्तर और इतह आ जाये. और आप ँसानों को देखें के</p>		
<p>يَدْخُلُونَ فِي دِينِ اللَّهِ أَفْوَاجًا ۝ فَسَبِّحْ بِحَمْدِ अल्लाह के दीन में झैज हर झैज दाभिल हो रहे हैं. तो अपने रब की उम्द के साथ</p>		

۱-۱۱

۱-۱۱

رَبِّكَ وَاسْتَغْفِرُكَ ۖ إِنَّكَ كَانَ تَوَّابًا ۝

तस्वीह कीजिये और उस से मगफ़िरत तलब कीजिये. यकीनन वो तौबा कबूल करने वाला है.

آيَاتُهَا ۵

(۱۱۱) سُورَةُ اللَّهِبِ بِمَكِّيَّةٌ (۶)

رُكُوعُهَا ۱

उस में ४ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

تَبَّتْ يَدَا أَبِي لَهَبٍ وَتَبَّ ۝ مَا أَغْنَىٰ عَنْهُ مَالُهُ

अबू लहब के दोनों हाथ टूटें और वो भरे. न उस के काम आया उस का माल

وَمَا كَسَبَ ۝ سَيَصْلَىٰ نَارًا ذَاتَ لَهَبٍ ۝ وَامْرَأَتُهُ

और न उस की कमाई. अनकरीब वो शोअले वाली आग में दाखिल होगी, वो भी और उस की भीवी भी.

حَمَّالَةَ الْحَطَبِ ۝ فِي جِيدِهَا حَبْلٌ مِّن مَّسَدٍ ۝

जो लकड़ियां उठाने वाली है. उस की गर्दन में मजबूत बटी हुई रस्सी होगी.

آيَاتُهَا २

(۱۱۲) سُورَةُ الْإِخْلَاصِ بِمَكِّيَّةٌ (२२)

رُكُوعُهَا १

उस में ४ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

قُلْ هُوَ اللَّهُ أَحَدٌ ۝ اللَّهُ الصَّمَدُ ۝ لَمْ يَلِدْهُ

आप इरमा दीजिये के वो अल्लाह अक है. अल्लाह बेनियाज है. न उस से कोई पैदा हुवा

وَلَمْ يُولَدْ ۝ وَلَمْ يَكُن لَّهُ كُفُوًا أَحَدٌ ۝

और न वो किसी से पैदा हुवा. और न उस के बराबर का कोई है.

آيَاتُهَا ५

(۱۱۳) سُورَةُ الْفَلَقِ بِمَكِّيَّةٌ (१०)

رُكُوعُهَا १

उस में ५ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ الْفَلَقِ ۝ مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ ۝ وَ

आप इरमा दीजिये मैं सुबह के माविक की पनाह मांगता हुं. उस की मखूक के शर से. और

مِنْ شَرِّ غَاسِقٍ إِذَا وَقَبَ ۙ وَمِنْ شَرِّ النَّفَّاثِ

अंधेरी रात के शर से जब वो आ जाये. और गिरछों में दम करने

فِي الْعُقَدِ ۙ وَمِنْ شَرِّ حَاسِدٍ إِذَا حَسَدَ ۙ

वालियों के शर से. और उसद करने वाले के शर से जब वो उसद करे.

رُكُوعًا ۱

(۱۱۳) سُورَةُ النَّاسِ مَكِّيَّةٌ (۲۱)

آيَاتُهَا ۶

और १ रुकूअ है

सूरअे नास मक्का में नाजिल हुई

उस में ६ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अद्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ النَّاسِ ۙ إِلَهِ

आप इरमा दीजिये मैं पनाह मांगता हुं तमाम ईन्सानों के रब की. तमाम ईन्सानों के बादशाह की. तमाम

النَّاسِ ۙ مِنْ شَرِّ الْوَسْوَاسِ الْخَنَّاسِ ۙ الَّذِي

ईन्सानों के भाबूद की. वसवसा डालने वाले, पीछे हटने वाले (शयतान) के शर से. जो

يُوسْوِسُ فِي صُدُورِ النَّاسِ ۙ مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ ۙ

वसवसा डालता है लोगों के दिलों में. वो जिन्नात में से हो और ईन्सानों में से हो.

رَبَّنَا تَقَبَّلْ مِنَّا ۖ إِنَّكَ أَنْتَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ

ओ हमारे रब! तू हमारी तरफ से कबूल इरमा.

यकीनन तू सुन्ने वाला, ईल्म वाला है.

وَتُبَّ عَلَيْنَا ۖ إِنَّكَ أَنْتَ التَّوَّابُ الرَّحِيمُ

और हमारी तौबा कबूल इरमा. यकीनन तू तौबा

कबूल करने वाला, निहायत रहम करने वाला है.